कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | मंगलवार 11 मार्च 2025 | वर्ष– 8 | अंक– 1307 | पृष्ठ– 6 | T/WB/2025/0130/2064/1269

शुभेंदु अधिकारी की करीबी भाजपा विधायक टीएमसी में शामिल

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (कोलकाता): पश्चिम बंगाल में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है. सुवेंदु अधिकारी की बेहद करीबी भाजपा की हल्दिया विधायक तापसी मंडल ने सोमवार को टीएमसी का दामन थाम लिया है. उनके साथ ही बीजेपी नेता सामल मैती ने भी टीएमसी का दामन थाम लिया है. बीजेपी छोड़ टीएमसी में शामिल हुईं तापसी ने कई आरोप लगाए हैं.

तापसी ने कहा कि बंगाल प्रगतिशील राज्य है. यहां विभाजन की राजनीति चल रही है. इस राजनीति को स्वीकार करना कठिन था. कई बार मैंने अलग-अलग तरीके से विरोध भी किया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. यही कारण है कि मैं जमीनी स्तर पर काम कर रही हूं. श्यामल मैती ने भी बीजेपी के खिलाफ आवाज उठाई.

विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की करीबी सहयोगी भाजपा की हल्दिया विधायक तापसी मंडल सोमवार को

सत्तारूढ़ टीएमसी में शामिल हो गईं. मंडल के टीएमसी में शामिल होने के फैसले से पूर्व मेदिनीपुर में भाजपा के संगठन को तगड़ा झटका लगा है, जहां अधिकारी का गढ़ हल्दिया बंदरगाह शहर स्थित है. इससे बीजेपी विधायक दल को भी झटका लगा है, क्योंकि उन्हें अगले साल की शुरुआत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में अहम भूमिका निभानी थी. वह राज्य के बिजली मंत्री अरूप बिस्वास की मौजूदगी में कोलकाता में टीएमसी मुख्यालय में पार्टी में शामिल हुईं.

उन्होंने अपने पाला बदलने को सही ठहराते हुए कहा कि "मैंने मुख्यमंत्री की विकास पहल का हिस्सा बनने का फैसला किया."

मंडल ने 2016 में कांग्रेस समर्थित सीपीआई(एम) उम्मीदवार के रूप में हल्दिया सीट जीती थी. 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले शुभेंदु अधिकारी के टीएमसी से बीजेपी में शामिल होने के बाद वह भाजपा में चली गईं. तपसी मंडल का ऐसी नेता हैं जो पश्चिम बंगाल में अपने लगातार पाला बदलने वाले राजनीतिक सफर के लिए जानी जाती हैं. वह पूर्व मेदिनीपुर जिले के दुर्गाचक शहर से आती हैं और उन्होंने अपनी माध्यमिक शिक्षा सुताहता लबन्यप्रवा बालिका विद्यालय से पूरी की.

तापसी मंडल का राजनीतिक करियर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) से शुरू हुआ. 2016 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में, उन्होंने हल्दिया निर्वाचन क्षेत्र से सीपीआई (एम) उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और 50 फीसदी से अधिक वोट हासिल कर निर्णायक जीत हासिल की, जिसमें उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी को हराया.

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधायक नौशाद सिद्दीकी को दिया आश्वासन

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आईएसएफ प्रमुख और भांगर के विधायक नौशाद सिद्दीकी को आश्वासन दिया कि उनके साथ न्याय होगा, भांगर के लोगों के लाभ के लिए विधायक को स्थानीय क्षेत्र विकास निधि योजना का उपयोग करने के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा।

दरअसल, भांगर के विधायक तथा आईएसएफ नेता नौशाद सिद्दीकी ने सोमवार को राज्य सचिवालय नवान्न में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की। सीएम से मुलाकात के बाद नौशाद ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, विधायक होने के नाते यह उनका कर्तव्य है कि वे अपने क्षेत्र के लोगों के लिए काम करें। नौशाद ने कहा कि वह भांगर के विकास के लिए अपनी विधायक निधि का पैसा खर्च नहीं कर पा रहे हैं। आईएसएफ विधायक ने शिकायत की कि क्षेत्र में विकास कार्य करने में उन्हें बीडीओ से लेकर जिलाधिकारी तक प्रशासन के किसी भी स्तर से कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा, 'मेरे ढाई साल बर्बाद हो गए। मुझे कोई काम नहीं करने दिया जा रहा।

नौशाद ने दावा किया कि पंचायत समिति विभिन्न योजनाओं पर उनका पैसा योजनाबद्ध तरीके से खर्च नहीं कर रही है जिससे क्षेत्र का विकास बाधित है। नौशाद ने सवाल उठाया कि जब विपक्षी दल के विधायक अपनी विधायक निधि खर्च नहीं कर पाएंगे तो राज्य का विकास कैसे होगा? इतना ही नहीं, नौशाद सिद्दीकी ने कहा कि जो लोग इस काम में बाधा डाल रहे हैं, वे फिर से स्थानीय लोगों को समझा रहे हैं कि विधायक कोई काम नहीं कर रहे हैं।

विधायक ने कहा, 'मैं उच्चतम स्तर पर कह कर आया हूं। अगर फिर भी परेशानी होती है तो मैं अपने जेब से भुगतान करूंगा। मेरे पास 3 करोड़ रुपये चुकाने की ताकत है।' हालांकि उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने उनकी बात ध्यान से सुनी और उन्हें आश्वासन दिया कि किसी भी कीमत पर उन्हें न्याय मिलेगा।

होला मोहल्ला सिखों का एक महत्वपूर्ण त्यौहार

दलजीत सिंह

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (रानीगंज): होला मोहल्ला के दिन गुरुद्वारों में कीर्तन समागम का आयोजन होता है गुरु ग्रंथ साहिब की वाणी कीर्तन के माध्यम से सुनकर संगत निहाल होते हैं।

आसनसोल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मुख्य जत्थेदार सरदार अमरजीत सिंह भरारा ने बताया कि यह त्योहार सिखों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उनकी सैन्य शक्ति और

साहस का प्रतीक है।

उन्होंने बताया कि होला मोहल्ला का इतिहास 18वीं शताब्दी में शुरू होता है, जब सिखों ने मुगल साम्राज्य के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उस समय, सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने अनुयायियों को सैन्य प्रशिक्षण देने के लिए एक अनोखा तरीका निकाला था। उन्होंने होली के त्योहार के बाद एक दिन के लिए एक सैन्य अभ्यास का आयोजन किया था, जिसमें सिख सैनिकों ने अपनी सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन किया था।

यह त्योहार सिखों को अपने पूर्वजों की वीरता और बलिदान की याद दिलाता है। सिखों के लिए, होला मोहल्ला एक ऐसा अवसर है जब वे अपनी सैन्य परंपराओं को जीवित रखते हैं।

खुलकर सामने आई तृणमूल की गुटबाजी, तृणमूल प्रधान को हटाने की मांग

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (पुरुलिया): पंचायत के प्रबंधन में प्रधान की विफलता का आरोप लगाते हुए दलदली ग्राम पंचायत के 8 तृणमूल सदस्यों ने हुड़ा ब्लॉक के बीडीओ से संपर्क कर पुरुलिया जिले के हुड़ा ब्लॉक में तृणमूल द्वारा संचालित दलदली ग्राम पंचायत के प्रधान अलोमनी महतो को हटाने और एक नया बोर्ड गठन की मांग की।

जानकारी के अनुसार हुड़ा ब्लॉक क्षेत्र में तृणमूल का गुटीय संघर्ष अब खुलकर सामने आ गया है। जहां तृणमूल सदस्य तृणमूल प्रमुख को हटाने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इसकी शुरुआत पंचायत चुनाव से

पहले हुई थी। पार्टी का टिकट किसे मिलेगा, इस पर गुटीय संघर्ष शुरू हो गया था। उस ग्राम पंचायत क्षेत्र की 14 सीटों पर तृणमूल के विक्षुब्ध गुट ने निर्दलीय उम्मीदवार खड़े किये थे।

चुनाव नतीजों में तृणमूल कांग्रेस ने 10 सीटें जीतीं। नाराज तृणमूल कांग्रेस ने चार सीटें जीतीं। लेकिन बोर्ड गठन के दिन ही तृणमूल के नाराज निर्दलीय सदस्यों ने मुख्य पार्टी से 4 सदस्यों को तोड़कर प्रधान का गठन कर लिया। और लोकसभा चुनाव से पहले तीन सदस्य तृणमूल पार्टी में फिर से वापस आ गए।

संघर्ष यहीं से और बढ़ गया। पार्टी कार्यकर्ता सवाल उठा रहे हैं कि लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी के खिलाफ काम करके लड़ने वालों को पार्टी में वापस क्यों लाया गया।

पंचायत के उप प्रधान अवनी कुमार सोरेन और संचालक सुमंत मुदी ने हुड़ा ब्लॉक के बीडीओ को लिखित रूप में अपना इस्तीफा सौंप दिया। जिसमें आरोप लगाया गया कि निर्दलीय समर्थक तृणमूल पंचायत प्रधान अलोमोनी महतो पंचायत का प्रबंधन करने में विफल रही हैं। फिर, मुखिया और संचालक सहित पंचायत के छह और तृणमूल के सदस्यों ने बीडीओ को पत्र लिखकर प्रधान अलोमनी महतो को हटाने और नए बोर्ड के गठन की मांग की।

समारोह पूर्वक हुआ ग्रंथ आमादेर गड़बेत्ता का लोकार्पण

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (खड़गपुर): पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत गड़बेत्ता स्थित सामुदायिक भवन में गड़बेत्ता पर आधारित ग्रंथ आमादेर गड़बेत्ता का विधिवत और समारोह पूर्वक लोकार्पण हुआ। जिसमें गड़बेत्ता का इतिहास, साहित्य, संगीत, नाटक, संस्कृति, स्वतंत्रता का इतिहास, देवालय , लोक संस्कृति पर विस्तार रूप से प्रकाश डाला गया है और यह इसी पर आधारित है। प्रमुख कवि और कथाकार काशीनाथ साहा और प्रमुख

सांस्कृतिक व्यक्तित्व शिक्षक शांतनू डे ने संयुक्त ने इस विशाल पुस्तक को संपादित किया।

प्रमुख वकील श्यामल महापात्रा ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की, लोक संस्कृति के शोधकर्ता डॉ. मधुप डे, प्रमुख कवि प्रोफेसर डॉ. अदीप घोष, कवि सुनील माजी, उपन्यासकार सुकुमार कला, शिक्षाविद तरुण गोस्वामी, गड़बेत्ता एक नंबर ब्लॉक के ब्लॉक उन्नयन विकास अधिकारी रामजीवन हांसदा, पूर्व प्रधानाध्यापक डॉ. विवेकानंद चक्रवर्ती, मेदिनीपुर जिला साहित्य अकादमी के सचिव भवेश बसु, कवि बिमल चंद्र रॉय, शिक्षक राधारमन मंडल और सुभाष चट्टोपाध्याय सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संपादकों ने कहा कि इस पुस्तक में लगभग चार सौ पृष्ठों में, रंगीन चित्रों के दस पृष्ठों सहित, तीस -दो क्षेत्रीय शोधकर्ताओं और कवियों ने कलम चलाई है। कई में कई विषय - आधारित लेखन है। पुस्तक "आमादेर गड़बेत्ता" लगभग बारह वर्षों से अथक प्रयासों की फसल रही है। यह गड़बेत्तावासियों के लिए एक दस्तावेज के समान है।

लोन दिलाने के नाम पर ठगी, महिलाओं ने ठगबाज महिला को किया पुलिस के हवाले

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (रानीगंज): थाना क्षेत्र के झांटी डंगा की अंजू देवी राय को लोन दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के आरोप में स्थानीय महिलाओं ने पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इस संबंध में सपना बावरी नामक महिला ने बताया कि अंजू देवी राय पिछले एक वर्ष से जरूरतमंद महिलाओं को लोन दिलाने का झांसा देकर ठगी कर रही थी। इस फर्जीवाड़े का शिकार लगभग 30 महिलाएं हो चुकी हैं। आरोप है कि यह महिला किसी को गाय दिलाने, तो किसी को अन्य कार्यों के लिए लोन दिलाने का भरोसा देकर उनसे पैसे ऐंठती थी। महिलाओं का कहना है कि जब उन्हें इस ठगी की सच्चाई का पता चला, तो उन्होंने रानीगंज थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। बताया जा रहा है कि आरोपी महिला पिछले आठ महीनों से फरार थी। हाल ही में जब वह इलाके में दिखाई दी, तो महिलाओं ने घेरकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इस मामले को लेकर स्थानीय महिलाओं ने पंजाबी मोड़ पर प्रदर्शन भी किया था। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव यूनियन का दूसरा सम्मेलन

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (रानीगंज): पश्चिम बंगाल मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव यूनियन का दूसरा सम्मेलन गिरजापाड़ा में आयोजित हुआ। सम्मेलन में जिला नेता बलराम चटर्जी ने केंद्र सरकार पर कॉरपोरेट घरानों की दलाली करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जीएसटी हटाने में असफलता, इलेक्ट्रोरल बॉन्ड के जरिए लेन-देन और दवाओं की कालाबाजारी के कारण जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें बढ़ रही हैं। सम्मेलन में प्रतिनिधियों ने मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए न्यूनतम वेतन और निर्धारित कार्य नियम लागू करने की मांग की। उन्होंने ऑनलाइन दवा बिक्री में गुणवत्ता की कमी पर भी चिंता जताई। सम्मेलन में उपस्थित नेताओं ने संगठनबद्ध संघर्ष की जरूरत पर जोर दिया। इस मौके पर 10 सदस्यीय समिति का गठन हुआ, जिसमें भैरव सूत्रधर को सचिव और प्रकाश मंडल को अध्यक्ष चुना गया। प्रतिनिधियों ने 20 अप्रैल को ब्रिगेड में होने वाली श्रमिक-किसान एकता रैली में शामिल होने का संकल्प लिया।

बालू माफियाओ के कारन प्रोजेक्ट पर खतरा मंडराने लगा है- जितेंद्र तिवारी

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (आसनसोल): भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी सोमवार को आसनसोल अदालत में पेश हुए. आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले जितेंद्र तिवारी जामुड़िया के दरबारडांगा वाटर प्रोजेक्ट गए थे, वहां विवाद हुआ था और जितेंद्र तिवारी और उनके साथियों पर एफआईआर दर्ज किया गया था। इस मामले में आज जितेंद्र तिवारी आसनसोल अदालत में पेश हुए.

इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब वह मेयर, थे तब जामुड़िया के दरबारडांगा वाटर प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने काफी मेहनत की थी और वह वाटर प्रोजेक्ट शुरू करवाया था, लेकिन उनको खबर मिली थी कि बालू माफिया अजय नदी से बालू निकाल

रहे हैं और अब वह वाटर प्रोजेक्ट के काफी निकट आ गए हैं, जिससे उस प्रोजेक्ट पर भी खतरा मंडराने लगा है.

उन्होंने कहा कि अगर उस वाटर प्रोजेक्ट को कोई नुकसान पहुंचता है, तो उसकी वजह से जामुड़िया और आसपास के एक बड़े क्षेत्र के लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ेगा. इसीलिए वह आज से 15 दिन पहले वहां पर गए थे। वहां पर उन्हें और उनके साथियों पर टीएमसी नेताओं की शह पर बालु माफियाओं द्वारा हमला किया गया था, लेकिन देखा जा रहा है कि उन्हीं पर केस कर दिया गया है.

उन्होंने कहा कि क्योंकि वह देश के संविधान और कानून को मानने वाले नागरिक हैं, इसलिए आज वह अदालत आए हैं. जितेंद्र तिवारी ने कहा कि यह हो ही नहीं सकता कि पुलिस बिना टीएमसी नेताओं की अनुमति के किसी के खिलाफ इस तरह से एफआईआर करे। उन्होंने साफ कहा कि इस तरह से भाजपा को और उनको रोका नहीं जा सकता, वह जब मेयर थे, तब इस वाटर प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने काफी मेहनत की थी और अब उस वाटर प्रोजेक्ट को बर्बाद होते नहीं देख सकते. इसलिए वह इसके खिलाफ संघर्षरत रहेंगे अगर इसके लिए उन्हें जेल भी जाना पड़े तो वह भी मंजूर है, लेकिन वह वाटर प्रोजेक्ट की रक्षा करके रहेंगे.

निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

दलजीत सिंह

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (रानीगंज): रानीगंज ब्रांच ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ने निवेशक शिक्षा संरक्षण कोष प्राधिकरण कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया।

"वित्तीय साक्षरता और निवेश जागरूकता: एक सुरक्षित वित्तीय भविष्य का निर्माण" विषय पर आयोजित इस सत्र में "इनवेस्ट माई पैसा, कोलकाता" की संस्थापक निधि रूंगटा ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

कार्यक्रम का उद्देश्य छोटे उद्यमियों और पेशेवरों को बचत, निवेश रणनीतियों और वित्तीय सुरक्षा के बारे

में जागरूक करना था।

रानीगंज शाखा की अध्यक्ष जिगना मेहता ने कहा, प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र में भाग लिया और धन प्रबंधन व वित्तीय योजना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं।

कार्यक्रम के संयोजक सीए रश्मि टोड़नी ने कहा कि यह पहल वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने और व्यक्तियों को सूचित निवेश निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाने के प्रति आइसीएआइ की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

तृणमूल ब्लाक अध्यक्ष के खिलाफ उतरी तृणमूल पंचायत सदस्य

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (दुर्गापुर): तृणमूल पंचायत सदस्य स्वयं स्थानीय तृणमूल कार्यकर्ताओं के लिए नौकरियों की मांग को लेकर हाथों में तख्तियां लेकर सड़कों पर हैं। तृणमूल पंचायत सदस्य सुमित्रा हंसदा ने तृणमूल कार्यकर्ताओं के साथ दुर्गापुर के गोपालपुर गांव के पाथरडीहा गांव में एक निजी गैस निष्कर्षण कंपनी के गेट के सामने पार्टी का झंडा फहराकर काम की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। तृणमूल पंचायत सदस्य ने खुद पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। पंचायत सदस्यों ने क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के हित में आवश्यकता पड़ने पर इस्तीफा देने की धमकी दी है।

कांकसा के पाथरडीहा गांव में एक मीथेन गैस निष्कर्षण कंपनी ने एक नई परियोजना पर काम करना शुरू कर दिया है। आरोप यह है कि परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण किया गया है, लंबे समय से स्थानीय तृणमूल के झंडे के नीचे बैठकें, जुलूस और मतदान करते रहे हैं, फिर भी विपक्षी भाजपा और सीपीआईएम कार्यकर्ताओं को काम पर

लगाया जा रहा है, जबकि तृणमूल कार्यकर्ताओं को काम नहीं मिल रहा है। इस बार तृणमूल की स्थानीय पंचायत सदस्य सुमित्रा हांसदा ने पार्टी सदस्यों के साथ मिलकर काम की मांग को लेकर कम्पनी के मुख्य द्वार के सामने पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष नव सामंत के खिलाफ आंदोलन में शामिल हो गईं।

आरोप है कि इस मामले को लेकर ब्लॉक अध्यक्ष को बार-बार बताया गया और हर बार ब्लॉक अध्यक्ष ने उन्हें अंधेरे में रखकर विपक्ष को नियुक्त किया है। इस आंदोलन के बाद भी कुछ नहीं होने पर तृणमूल पंचायत सदस्य ने पंचायत सदस्य पद से इस्तीफा देने की चेतावनी दी है। पथरडीहा आदिवासी क्षेत्र के स्थानीय कार्यकर्ता भी यही आरोप लगाते हुए हाथ में तख्तियां लेकर आंदोलन में शामिल हो गए।

प्रदर्शनकारी तृणमूल कार्यकर्ताओं के एक वर्ग द्वारा नौकरी के बदले पैसे लेने का मुद्दा भी उठाया। हालांकि, तृणमूल नेतृत्व द्वारा लगाए गए ये आरोप को निराधार बताया। लेकिन इस पूरी घटना को लेकर जमीनी स्तर पर तृणमूल और तृणमूल के बीच शीत युद्ध शुरू हो गया है। स्थानीय तृणमूल पंचायत सदस्य सुमित्रा हांसदा ने चेतावनी दी है कि अगर यह आंदोलन कारगर नहीं हुआ तो वे बड़े आंदोलन की तैयारी में हैं। वे पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से संपर्क करेंगी। अगर यही घटना दोबारा हुई तो जरूरत पड़ने पर वे पूरे गांव को लेकर विरोध प्रदर्शन करेंगी।

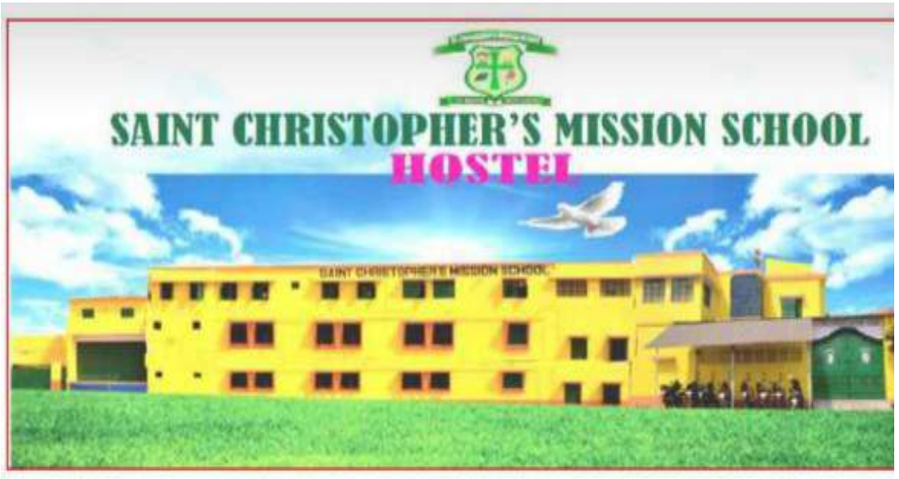

इस बीच, जिला भाजपा नेतृत्व ने इस घटना पर चुटकी ली है। उन्होंने कहा, 26वें विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल सुप्रीमो ने सभी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर लड़ने का संदेश दिया है। कुछ दिन पहले पांडवेश्वर से तृणमूल विधायक नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती ने पार्टी के बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में स्थानीय लोगों की तरफ से बोलते हुए कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो स्थानीय लोगों को नौकरी दिलाने के लिए वह उनके साथ सड़कों पर उतरेंगे। पार्टी विधायक की यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। इस घटना के बाद का घटनाक्रम जारी है, वहीं गोपालपुर ग्राम पंचायत क्षेत्र के पाथरडीहा गांव में पार्टी विवाद की यह तस्वीर एक बार फिर साबित करती है कि अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के अंदरूनी संघर्ष को संभालने के लिए तृणमूल नेतृत्व को काफी मशक्कत करनी पड़ेगी।

कामवाली बाइयों के साथ इंटरनेशनल क्लब लायंस महिला विंग ने मनाया महिला दिवस समारोह

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (रानीगंज): लायंस क्लब इंटरनेशनल की महिला विंग गरिमा की तरफ से लायंस क्लब के हाल में कामवाली बाईयो के साथ महिला दिवस मनाया एवं उन्हें सम्मानित किया।

लायंस क्लब की कोषाध्यक्ष एवं कोऑर्डिनेटर शशि कौर ने बताया कि प्रत्येक वर्ष महिला दिवस के अवसर पर लायंस क्लब की सदस्यों के घरों में काम करने वाली घरेलू कामवाली बाईयो को सम्मानित किया जाता है, उनके साथ पूरा दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों नृत्य, संगीत, खेल की कई प्रतियोगिताओं उनके साथ मनाया जाता है।

कार्यक्रम की चेयरपर्सन रितु क्याल ने बताया कि घरेलू कामवाली महिलाएं हमारे ही समाज की अंग है, उन्हें उपेक्षित ना समझे उनका भी हक है, प्रत्येक पूजा त्यौहार पर खुशियां मनाने का, इसलिए हमेशा हम लोग पूजा त्यौहार के अवसर पर वस्त्र वितरण भी करते हैं एवं महिला दिवस पर पूरे दिन उनके साथ खेलकूद का आनंद उठाते हैं एवं रात्रि का भोजन एक साथ करके उन्हें भी सम्मानित करते हैं।

प्रोग्राम अध्यक्ष मेघा कालोटिया एवं अर्चना गुप्ता ने कहा कि कई मालकीनों ने अपनी कामवाली बाईयों के साथ मिलकर इस दिन को मनाया। उन्होंने कामवाली बाईयों को उपहार दिए, उनके साथ बातचीत की और उनके अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाई।

कामवाली बाईयों ने इस कार्यक्रम की बहुत सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक बहुत ही खुशी का दिन था और उन्हें अपने अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए धन्यवाद दिया।

महिला दिवस के अवसर पर, मालकीनों ने अपनी कामवाली बाईयों के साथ मिलकर इस दिन को मनाया। उन्होंने कामवाली बाईयों को उपहार दिए, उनके साथ बातचीत की और उनके अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाई। यह एक बहुत ही अच्छा कदम था जो कामवाली बाईयों के अधिकारों की रक्षा करने में मदद करेगा।

जामुड़िया थाना के सभागार मे होली को लेकर प्रशासनिक बैठक

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (जामुड़िया): आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट अंतर्गत जामुड़िया थाना के सभागार मे होली पर्व को लेकर प्रशासन और जामुड़िया थाना के इलाके के सभी पार्षद, सभी धर्म के लोगो और शांति कमेटी को लेकर प्रशासनिक बैठक की गई।

इस बैठक मे होली पर्व को लेकर कई मुद्दों पर चर्चा की गई एवं प्रशासन के कई अधिकारी और पार्षद सभी जाति धर्म के लोगों ने अपनी अपनी राय को सबके सामने रखा।

बैठक में एसीपी विमान कुमार मिर्धा, सीआई सुशांत चटर्जी, जामुड़िया थाना प्रभारी सौमेंद्रनाथ सिंह ठाकुर, आसनसोल नगर निगम के एमआईसी सुब्रत अधिकारी, एआई सुभाष मुखोपाध्याय, जामुड़िया ट्रैफिक गार्ड के प्रभारी सुबीर सेन, श्रीपुर फाड़ी प्रभारी मेहाराज अंसारी, चुरुलिया फाड़ी प्रभारी सुसोभन बनर्जी, केंदा फाड़ी प्रभारी लखिनारायण दे, जामुड़िया बोरो एक चेयरमैन शेख शानदार, पुतुल बनर्जी, राखी कर्मकार, प्रदीप मुख़र्जी, मृदुल चक्रवर्ती, अब्दुल हाउस, सुष्मिता बाउरी, बैसाखी बाउरी, डॉ आरिफ अली, संतोष सिंह, बिस्वनाथ यादव, अब्दुल गफ्फार मालिक बबलू पोद्दार और अनिमेष बैनर्जी सहित अन्य मौजूद थे|

होली में हुडदंगियों पर पुलिस की रहेगी पैनी नजर- एसीपी

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (बराकर): होली व माहे रमजान को लेकर शांति समिति की बैठक सोमवार शाम को बराकर फाड़ी परिसर में एसीपी जावेद हुसैन की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। त्यौहार को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर प्रशासनिक पदाधिकारी ने लोगों से सुझाव मांगा। बैठक में लोगों ने अवैध शराब की बिक्री पर रोक और शुक्रवार जुम्मा को लेकर धार्मिक स्थल के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने का सुझाव दिया गया।

एसीपी जावेद हुसैन ने डीजे पर अश्लील गीत पर रोक लगाने की बात की, उन्होंने कहा कि होली में पुलिस हुडदंगियों पर नजर रखेगी पर्व त्यौहार का लोग एक दूसरे का सम्मान करते हुए मनाएं किसी की आस्था पर ठेस नहीं पहुंचाया जाए।

मौके पर थाना प्रभारी कृष्णेंदु दत्ता ने दोनों ही समुदाय के लोगों से होली त्यौहार और माहे रमजान आपसी भाईचारे के साथ शौहर्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की साथ ही कहा कि एक दूसरे के धर्म का सम्मान करते हुए होली एवं रमजान त्यौहार मनाया जाए. इसके अलावा थाना प्रभारी ने त्यौहार के दौरान असामाजिक तत्वों के गतिविधियों पर भी नजर रखने तथा किसी प्रकार की अप्रिय घटना पर अविलंब पुलिस को सूचित करने की बात कही.

बराकर फाड़ी प्रभारी सुकान्ता दास ने कहा कि होली पर हुड़दंगी करने वालों पर पुलिस की विशेष निगाह रहेगी और अशांति फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

बैठक में पूर्व पार्षद प्रेमनाथ साव, वार्ड नंबर 70 के पार्षद वकील दास, वार्ड नंबर 67 की पार्षद टुंपा चौधरी, वार्ड नं 69 के पार्षद जोगा मांडल, शिव कुमार अग्रवाल, बराकर मुस्लिम समाज के सदर अली हुसेन मुन्ना, खलील खान, अब्दुल बारीक, फिरोज़ अंसारी, मुस्लिम भाई, अली अकबर गैलेरिया, पप्पू सिंह, रोबिन लाइक, सुब्रतो भादुड़ी, रिंकु खान, चरण सिंह गांधी के एलावा काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जिला लीगल सेल की ओर से यौन कर्मियों के लिए जागरूक कार्यक्रम

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (नियामतपुर): पश्चिम बर्दवान जिला लीगल सेल की ओर से लालबत्ती क्षेत्र की यौन कर्मियों के लिए दूरबार महिला समन्वय समिति के सहयोग से महिला दिवस पर एक जागरूक कार्यक्रम का आयोजन किया. जिसमे मुख्य रूप से पश्चिम बर्दवान लीगल सेल की सचिव अम्रपाली चक्रवर्ती उपस्थित थी.

उनके साथ कुल्टी बोरो आठ के चेयरमैन रविलाल टुडु, स्थानीय पार्षद जाकिर हुसैन, पूर्व पार्षद सह दूरबार समिति के सदस्य मीर हाशिम, सदस्य तारा प्रशन्न घाटी सहित दूरबार की सदस्य और स्थानीय यौनकर्मी उपस्थित रहे।

लीगल सेल की सचिव अम्रपाली चक्रवर्ती ने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर दूरबार संस्था जो कि यौनकर्मियों की एक संस्था हैं, इसके द्वारा महिलाओं को जागरूक करने हेतू कई कार्यकम किए जाते, आज लीगल सेल की ओर से जागरूक करते हुए कहा गया कि हमारा संविधान सभी को बराबर का अधिकार देता हैं, इसलिये यदि किसी प्रकार की कुनूनी सहायता किसी भी पीड़िता को चाहिए तो वो आकर लीगल सेल से सम्पर्क करें.

साथ ही कहा गया कि सरकार द्वारा सरकारी सुविधाओ का लाभ ले, अगर इस पर किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न होती हैं, तो मुझसे सीधे संपर्क कर सकते हैं। किसी दलाल के चक्कर में ना पड़े. इस पर दूरबार को जागरूक कार्यक्रम चलाने को कहा गया है, साथ ही कहा गया कि इनका अधिकार दिलाने में जिला प्रशासन की संबंधित विभाग सहायता प्रदान करेगी।

बिचाली से भरी एक पिकअप वैन में आग लग गई

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (पुरुलिया): पुरुलिया प्रखंड संख्या-1 के टामना थाना अंतर्गत चाकदा गांव में मंगलवार को बिचाली से भरी एक पिकअप वैन में आग लग गई जिससे वह जलकर नष्ट हो गई। हालांकि, आग लगने का सटीक कारण अज्ञात है। प्रारंभिक तौर पर यह माना जा रहा है कि आग तब लगी जब बिचाली से भरा ट्रक गांव से निकलते समय ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार के संपर्क में आ गया। घटना की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई, जिन्होंने आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक बिचाली से भरा ट्रक जलकर राख हो चुका था। इस घटना से इलाके के लोग काफी भयभीत हैं।

बालू लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से महिला की मौत

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (बाँकुड़ा): रेत से लदे एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। यह घटना बांकुड़ा जिले के गंगाजलघाटी प्रखंड के रामहरिपुर के पास घटी। बताया जाता है कि आज दोपहर जब रामहरिपुर गांव की गृहिणी तंद्रा सिंह अपने बेटे को स्कूल से घर लाने के लिए निकली थी, तभी गंगाजलघाटी-फुलबेरिया मार्ग पर रामहरिपुर चौराहे के पास फुलबेरिया की ओर से आ रहे बालू से लदे ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया और विरोध प्रदर्शन किया। गंगाजलघाटी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

सड़क दुर्घटना में साईकिल सवार की मौत

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (पुरुलिया): पुरुलिया मुफस्सिल थाना अंतर्गत छड़रा-नदियाड़ा मार्ग पर नदियाड़ा गांव में सोमवार की सुबह ट्रेलर से कुचलकर एक साइकिल सवार की मौत हो गई। इसे लेकर ग्रामीणों ने विरोध स्वरूप शव को सड़क पर रखकर पथावरोध कर दिया। इस दौरान चालक ट्रेलर को सड़क पर छोड़कर भाग गया। ग्रामीणों द्वारा पथावरोध के कारण सुबह से ही सड़क पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई। सूचना मिलने पर पुरुलिया मुफस्सल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। समाचार लिखे जाने तक दुर्घटना में मरने वाले व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है। करीब तीन घंटे तक जाम लगाने के बाद पुलिस से आश्वासन मिलने पर उन्होंने जाम हटा लिया। पता चला है कि इस दिन सड़क से गुजरते समय एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने यात्री को टक्कर मार दी। वह ट्रक के पहिये के नीचे कुचल गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों की शिकायत है कि इस सड़क पर लगातार वाहन चलते रहते हैं। सड़क पर अक्सर एक के बाद एक दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों ने यातायात नियंत्रण और मृतकों के लिए मुआवजे की मांग की है।

श्याम परिवार के द्वारा भव्य निशान शोभा यात्रा का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (आसनसोल): रंग-रंगीले फागुन मास के शुक्ला पक्ष की एकादशी के शुभ अवसर पर सोमवार को श्री श्याम परिवार (बराकर) के द्वारा बाबा श्याम का भव्य निशान शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान बराकर स्टेशन परिसर स्थित हनुमान मंदिर में विद्वान पंडितों के द्वारा बाबा श्याम के निशानों की विधिवत् पूजा अर्चना की गई।

तत्पश्चात शोभा यात्रा का शुभारंभ हुआ। इस दौरान बाबा श्याम का अलौकिक श्रृंगार कर भव्य झाकी निकाली गई। बाबा श्याम के मधुर भजनों, धमाल चंग की धुनों पर भक्तगण झूलते-नाचते बाबा श्याम के जयकारा लगाते हुए और अबीर गुलाल खेलते हुए श्री श्याम एवं दादी मंदिर नियामतपुर पहुंचे। शोभा यात्रा बराकर स्टेशन रोड, कुल्टी के रास्ते होते हुए नियामतपुर स्थित श्री श्याम एवं दादी मंदिर प्रांगण पहुंचे और बाबा श्याम को निशान अर्पण किया। 251 निशानों की शोभा यात्रा के दौरान महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। एकादशी के शुभ अवसर पर शिल्पांचल स्थित नियामतपुर, आसनसोल, रानीगंज, दुर्गापुर के सभी श्याम मंदिरों को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया था। बाबा श्याम का फूलों से भव्य श्रृंगार कर 56 भोग अर्पित किया गया। एकादशी के पूर्व संध्या सभी श्याम मंदिरों में भजनों की अमृत वर्षों स्थानीय भजन मंडलियों एवं क्षेत्र के बाहर से पधारे भजन गायकों के द्वारा भजनों की प्रस्तुति की गई।

इस दौरान श्री श्याम परिवार के सदस्य शंकर नियोगी, कालू चौधरी,सुभाष शर्मा, शंकर शर्मा, अजय राजगढ़िया, बलदेव रवानी, पप्पू शर्मा, विकाश शर्मा, आयुष, झाबू चौधरी, लाली शर्मा, पंकज चौरसिया, अनिता अग्रवाल पिंकी शर्मा, अंजू नियोगी, मधु शर्मा उपस्थित थे।

भारतीय क्रिकेट टीम को चैंपियंस ट्रॉफी का चैंपियन बनने पर मना जश्न

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (पांडवेश्वर): भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी मैच का फाइनल को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में गजब का उत्साह देखा गया, क्षेत्रीय कार्यालय मोड पर टीएमसी नेता जमुना धीवर ने खेल प्रेमियों के घर के बाहर टीवी लगाकर फाइनल मैच का आनंद लिया और जैसे ही भारतीय टीम के खिलाड़ी अजय जडेजा ने विजयी चौका लगाया, खेल प्रेमियों ने जमकर आतिशबाजी किया और एक दूसरे को जीत की बधाई देने के साथ मिठाई का वितरण किया,

वही डीवीसी मोड पर भी रात्रि में भारत की जीत का जश्न मनाया गया, टीएमसी नेता जमुना धीवर ने कहा कि खेल प्रेमियों के मांग को देखते हुए बाहर टीवी लगाकर सभी ने क्रिकेट का आनंद लिया और भारत ने शानदार खेल दिखाते हुए चैंपियंस ट्रॉफी के सभी मैचों में शानदार खेल का प्रदर्शन किया, उन्होंने वरुण चक्रवर्ती समेत सभी भारतीय खिलाड़ियों का जीत का श्रेय दिया,

इस अवसर पर निमाई चक्रवर्ती, साहेब यादव, कंचन सरकार, राजीव सिंह समेत भारी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे.

श्री श्याम बाल मंडल की ओर से भव्य निशान यात्रा, होली उत्सव का आगाज

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (रानीगंज): श्री श्याम बाल मंडल के तत्वावधान में भव्य निशान यात्रा के साथ होली उत्सव का शुभारंभ किया गया। इस पावन अवसर पर श्याम भक्तों ने ढाक -धाप की मंगल ध्वनि और गाजे-बाजे के साथ प्रभु श्याम को समर्पित भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी। यात्रा का शुभारंभ श्री सीताराम जी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जिसके पश्चात नगर परिक्रमा करते हुए यह भव्य यात्रा नवनिर्मित श्री श्याम मंदिर में आकर संपन्न हुई। इस अवसर पर श्याम भक्तों ने "खाटू वाले श्याम तू ने हमारा काम किया" और "श्याम तेरी बंसी पुकारे" जैसे भक्तिमय भजनों की सजीव प्रस्तुति दी, जिससे पूरा माहौल भक्ति रस से सराबोर हो गया। गाजियाबाद से आए कलाकारों ने विशेष रूप से होली के रंग में रंगे श्याम प्रभु के भजन प्रस्तुत किए, जिससे श्रद्धालुओं में भक्ति और आनंद की लहर दौड़ गई। निशान यात्रा में बड़ी संख्या में श्याम भक्त शामिल हुए, जिन्होंने पीले वस्त्र धारण कर भव्य शोभायात्रा निकाली। महिलाएं रंग-बिरंगे परिधानों में नाचती-गाती हुई प्रभु श्याम के जयकारे लगा रही थीं। भक्तों के उत्साह और श्रद्धा से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा, जिससे होली उत्सव की शुरुआत रंगों और भक्ति के अनूठे संगम के साथ हुई। रानीगंज में इस उत्सव ने भक्तों के हृदय में नई ऊर्जा का संचार किया और पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक उल्लास की लहर दौड़ गई।

व्यवहारिक अंतर्दृष्टि के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ाना विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (दुर्गापुर): योग विज्ञान और खेल प्रबंधन विभाग, और अस्पताल प्रबंधन विभाग, एनएसएचएम कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, एनएसएचएम नॉलेज कैंपस ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से "व्यवहारिक अंतर्दृष्टि के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ाना" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई, मुख्य अतिथि रमेश चंद्र महापात्रा, झांझरा क्षेत्र के महाप्रबंधक, प्रो. (डॉ.) आलोक सत्संगी, एनएसएचएम नॉलेज कैंपस, दुर्गापुर के निदेशक, विश्व चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. ध्रुति, डॉ. कालीपद पाल, एसोसिएट प्रोफेसर, खेल विज्ञान और योग विभाग, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, बेलूर मठ, कोलकाता डॉ. देव कुमार दास, एचओडी और कार्यक्रम समन्वयक, योग विज्ञान और खेल प्रबंधन विभाग, डॉ. जस्टिन बाबू, एनएसएचएम कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, एनएसएचएम, लाइट कैंपस, लाइट, विभाग इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

प्रतिभागियों की कुल संख्या 114 थी, जिनमें से 103 भारत के विभिन्न भागों से छात्र प्रतिनिधि थे और 13 संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक तकनीकी सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में सभी अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत एनएसएचएम नॉलेज कैंपस, दुर्गापुर के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) आलोक सत्संगी एवं डॉ. देव कुमार दास, विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम समन्वयक, योग विज्ञान एवं खेल प्रबंधन विभाग, एनएसएचएम कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, एनएसएचएम नॉलेज कैंपस, परिसर। प्रथम सत्र सुबह 11 बजे "योग एवं जन स्वास्थ्य का एकीकरण" विषय पर मुख्य अतिथि वक्ता रमेश चंद्र महापात्रा, महाप्रबंधक, झांझरा क्षेत्र द्वारा शुरू हुआ। दूसरा सत्र सुबह 11:45 बजे शुरू हुआ, जिसमें प्रख्यात वक्ता डॉ. धृति सुंदर दत्ता, चिकित्सा अधीक्षक, हेल्थ वर्ल्ड हॉस्पिटल ने "सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए व्यवहारिक अंतर्दृष्टि" पर बात की।

तीसरे सत्र में प्रमुख वक्ता डॉ. कालीपद पाल, एसोसिएट प्रोफेसर, खेल विज्ञान और योग विभाग, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, बेलूर मठ, कोलकाता ने "योग के मनोवैज्ञानिक प्रभाव" पर व्याख्यान दिया।

चौथे सत्र में, प्रख्यात वक्ता डॉ. जस्टिन बाबू, विभागाध्यक्ष, अस्पताल प्रबंधन विभाग, एनएसएचएम बिजनेस स्कूल, दुर्गापुर ने "नीति एकीकरण और कार्यान्वयन" पर भाषण दिया।

सत्र सभी प्रतिभागियों के लिए सत्यापन समारोह के साथ समाप्त होता है। जहां मुख्य अतिथि, गणमान्य व्यक्तियों और आयोजन सचिव डॉ. देव कुमार दास, विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम समन्वयक।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

आज का राशिफल

11 मार्च 2025
मंगलवार

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता मिलेगा। व्यवसाय में नये कार्यों की शुरुआत करने से बचें। कार्यभार की अधिकता से थकान का अनुभव होगा। मानसिक अस्वस्थता रहेगी। विवाद से बचे। सेहत का ध्यान रखें।

वृषभ
दिन मिला-जुला रहेगा। कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता रहेगी, धनलाभ होगा। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। वाणी पर संयम रखें। पारिवारिक वातावरण बढ़िया रहेगा। अनावश्यक खर्च से बचना है।

मिथुन
दिन सामान्य रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजनों के साथ पिकनिक पर जा सकते हैं। धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान रहेगा। समाज में सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क
दिन अच्छा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी। परिजनों के सहयोग से सभी कार्य सफल होंगे। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। परिवारिक माहौल अच्छा रहेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी बरतें।

सिंह
दिन शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में आकस्मिक धनलाभ के योग रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में तरक्की की संभावना रहेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मित्रों से मुलाकात होगी, जो लाभदायक रहेगी। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा।

कन्या
दिन मिला-जुला रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। क्रोध की अधिकता रहेगी, इसलिए वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

तुला
दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। नई ऊर्जा के साथ काम करेंगे। कारोबार विस्तार की योजना बनाए। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। मित्रों से सहयोग मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धनलाभ के योग बन रहे हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। मित्रों-परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो सकती है।

धनु
दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके अनुकूल वातावरण रहेगा। कार्यों में सफलता मिलने से धनलाभ की स्थिति रहेगी। वैचारिक रूप से समृद्धि बढ़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन में उल्लास से भरा रहेगा।

मकर
दिन मिला-जुला रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों में छोटी-छोटी परेशानियां आ सकती हैं। कुछ कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य बिगडने की संभावना रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

कुंभ
दिन शुभ रहेगा। आर्थिक लाभ के संयोग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। मित्रों के साथ घूमने-फिरने, आनंद-प्रमोद करने में खर्च होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में आपकी आय बढ़ेगी। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहे।

मीन
दिन अच्छा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक रूप से थकान का अनुभव होगा। नौकरी में पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी। अनावश्यक खर्च की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी।

विधानसभा में भाजपा विधायकों का हंगामा, प्रश्नकाल स्थगित

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): रांची। कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति पर सोमवार को राज्य विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। सदन के वेल में पहुंचकर विधायकों की लगातार नारेबाजी की वजह से स्पीकर को प्रश्नकाल की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठाया।

उन्होंने राज्य में पिछले कुछ दिनों में घटित अपराध की बड़ी वारदातों का जिक्र करते हुए स्पीकर से इस विषय पर चर्चा कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को रांची में कारोबारी पर दिनदहाड़े फायरिंग हुई। शनिवार को हजारीबाग में एनटीपीसी के डीजीएम की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रांची के पास चान्हो में पिछले हफ्ते आनंदमार्ग आश्रम में अपराधियों ने हमला कर दो लोगों की हत्या कर दी। ये घटनाएं तो सिर्फ कुछ उदाहरण हैं। राज्य के अन्य हिस्सों में लगातार अपराध हो रहे हैं और सरकार चुप बैठी है।

भाजपा विधायक अमित यादव ने भी प्रश्नकाल स्थगित कर इस मुद्दे पर बहस और सरकार से जवाब की मांग की। इस पर स्पीकर ने कहा कि आपने सदन के माध्यम से सरकार को सूचना दे दी है। प्रश्नकाल में अन्य सदस्यों के महत्वपूर्ण प्रश्न लिए जाने हैं, लेकिन भाजपा के सभी विधायक इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर अड़े रहे।

उन्होंने वेल में पहुंचकर सरकार और मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। स्पीकर उनसे अपने आसन पर लौटने की अपील करते रहे, लेकिन हंगामा नहीं थमा। अंततः सदन की कार्यवाही दोपहर बारह बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने सदन के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह सरकार झारखंड में जंगल राज स्थापित कर रही है। यहां आम आदमी से लेकर अफसर और व्यवसायी से लेकर महिलाएं तक सुरक्षित नहीं हैं। एक तरफ विधानसभा का सत्र चल रहा है, जहां सरकार बड़ी-बड़ी बातें कर रही है, तो दूसरी तरफ राज्य के विभिन्न हिस्सों में ताबड़तोड़ फायरिंग हो रही है। यह सरकार हर मोर्चे पर फेल है।

अपराधियों को कानून का भय नहीं है। बलात्कार, हत्या, लूट, डकैती, स्नैचिंग में यह नंबर वन स्टेट बन गया है। सरकार कैसे चलती है और कानून-व्यवस्था कैसे कायम रखी जा सकती है, इसका उदाहरण उत्तर प्रदेश है। वहां अपराधी अब कोई अपराध करते हुए कांपते हैं। ज्यादातर अपराधी वहां या तो जेल में हैं या तड़ीपार किए जा चुके हैं।

मिलजुल कर होली और पवित्रता के साथ मनाएं रमजान- उपायुक्त

*** डीजे बजाने पर पूर्ण पाबंदी,**
*** लाउडस्पीकर पर अश्लील गाना बजाने पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई,**
*** हुड़दंगियों पर होगी कठोर कार्रवाई - सिटी एसपी,**
*** पुलिस को दें समाज का अहित चाहने वालों की सूचना ,**
*** असामाजिक तत्वों को लिया जाएगा हिरासत में,**
*** संवेदनशील स्थानों पर मौजूद रहेगी स्टैटिक फोर्स ,**
*** पानी की समस्या पर टोल फ्री नंबर 1800-8904-160 पर करें फोन,**
*** अफवाहों का समर्थन नहीं करने की अपील**

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में होली एवं रमजान त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए सोमवार को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक न्यू टाउन हॉल में आयोजित की गई।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि होली मिल जुलकर मनाने का त्योहार है। वहीं रमजान का महिना पवित्र माह है। सभी लोग आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं। त्योहारों के दौरान जिले में शांति व्यवस्था बनी रहे इसलिए संवेदनशील स्थानों में स्टेटिक फोर्स तैनात रहेगी। इसके अलावा विभिन्न इलाकों में मोबाइल पेट्रोलिंग जारी रहेगी।

उपायुक्त ने कहा कि होली के अवसर पर डीजे बजाने पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी। वहीं लाउडस्पीकर पर अश्लील गाना बजाने वालों पर प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि बैठक के दौरान पानी, बिजली, साफ सफाई, स्ट्रीट लाइट सहित अन्य जो भी समस्याएं सामने आई है उसका समाधान करने के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है।

वहीं पानी की समस्या होने पर टोल फ्री नंबर 1800-8904-160 पर फोन कर सूचना दे। सूचना देने वाले को अपना होल्डिंग नंबर एवं वॉटर कनेक्शन नंबर दर्ज कराना होगा।

बैठक में सिटी एसपी अजीत कुमार ने कहा कि त्योहारों के दौरान विधि व्यवस्था बिगाड़ने वाले हुड़दंगियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी तरह की समस्या आने पर तुरंत प्रशासन और थाना को सूचित करें। स्वयं फैसला नहीं लें। युवकों पर नजर रखें। समाज का अहित चाहने वालों की सूचना पुलिस को दें।

उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों को प्रशासन ने चिन्हित कर लिया है। ऐसे तत्वों को हिरासत में लिया जाएगा। सिटी एसपी ने लहरीया कट और खतरनाक तरीके से बाइक चलाने वालों की सूचना पुलिस को देने का आग्रह किया।

सिटी एसपी ने कहा कि त्योहारों के दौरान पुलिस का सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल एक्टिव रहेगा। सोशल मीडिया पर किसी तरह की अफवाह फैलाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अफवाहों का समर्थन नहीं करने की अपील की।

बैठक में राम गोपाल भुवानिया, महादेव हांसदा, रवींद्रनाथ धीवर, अजय नारायण लाल, अतह नवाज खान, शिवांशु श्रीवास्तव, एजाज अहमद, मोहम्मद सोहराब, सावित्री पांडेय, बैजनाथ यादव, मो एजाज अली, अशोक महतो, मो असाफक हुसैन, अजीत कुमार मिश्रा, अमनदीप सिंह सहित जिले के विभिन्न शांति समिति के सदस्यों ने अपने सुझाव रखे।

शांति समिति की बैठक समाप्त होने के बाद प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ अलग से बैठक कर विभिन्न पहलुओं पर दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, सिटी एसपी अजीत कुमार, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, डीएसपी शंकर कामती, नौशाद आलम, एसडीपीओ निरसा रजत माणिक बाखला के अलावा विभिन्न अंचल के अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, थाना प्रभारी व शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

सीएम की एयर एम्बुलेंस सेवा असहाय मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): रांची/ मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का लोगों के जीवन सुरक्षा का सकारात्मक प्रयास रंग ला रहा है। आपात स्थिति में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे असहाय मरीजों को बेहतरीन चिकित्सीय सेवा उपलब्ध कराने में एयर एंबुलेंस सेवा वरदान साबित हो रही है। मुख्यमंत्री के इस प्रयास से अबतक 94 मरीजों को झारखण्ड से ससमय एयरलिफ्ट कराकर दूसरे राज्यों के प्रमुख अस्पतालों में शिफ्ट कराया गया। सिर्फ रांची से 78 जबकि अन्य जिलों से 11 मरीज ऐसे हैं, जिन्होंने एयर एंबुलेंस सेवा का लाभ लिया है।

एयर एंबुलेंस के जरिए त्वरित और सहजभाव से मरीजों को दूसरे राज्यों में इलाज का लाभ मिल रहा है। तभी तो बीते समय में आम लोगों के साथ-साथ गणमान्य लोगों को भी एयर एंबुलेंस की सेवा प्रदान की गई है।

इसके अतिरिक्त विधानसभा चुनाव कार्य के दौरान गंभीर रूप से घायल झारखण्ड पुलिस बल के कई जवानों को भी ससमय उच्चतर चिकित्सीय सेवा के लिए एयर एंबुलेंस से एयरलिफ्ट कराकर उच्चस्तरीय मेडिकल सेंटर में शिफ्ट कराया जा चुका है।

राज्य के आम और खास हर वर्ग के मरीजों के परिजन नगर विमान विभाग द्वारा संचालित +918210594073 मोबाइल नंबर पर फोन कर एयर एंबुलेंस की सेवा संबंधी जानकारियां 24 घंटे किसी भी समय ले सकते हैं। जानकारी के अनुसार, झारखण्ड के बाहर अन्य गंतव्य स्थानों पर मरीजों को ले जाने पर संबंधित व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर 55,000 प्रति उड़ान घंटे के दर पर एयर एंबुलेंस की सुविधा दी जाती है।

यह है निर्धारित रूट और दर- रांची–दिल्ली 3.3 लाख, रांची–मुंबई 4.4 लाख, रांची–चेन्नई 3.85 लाख, रांची–कोलकाता 1.10 लाख, रांची–हैदराबाद 3.02 लाख, रांची–वाराणसी 1.37 लाख, रांची–लखनऊ 2.20 लाख और रांची–तिरुपति 3.85 लाख रुपये.

तत्काल नागर विमान प्रभाग द्वारा एयर एंबुलेंस सेवा के लिए फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट सी–90 की सुविधा उपलब्ध है। जिसके माध्यम से एक मरीज तथा दो परिजनों को एक साथ एयर एम्बुलेंस से अन्य राज्य में चिकित्सा हेतु ले जाया जा सकता है।

महिला डॉक्टर का शव बोकारो के हॉस्टल में फंदे से लटकता मिला

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): बोकारो जिला मुख्यालय स्थित सेल (स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) के जनरल हॉस्पिटल में कार्यरत महिला चिकित्सक डॉ. आर्या झा का शव हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटकता हुआ पाया गया है। उनके कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसके आधार पर इसे प्रथम दृष्ट्या आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। पुलिस मामले में हर पहलू की जांच कर रही है।

29 वर्षीय डॉ. आर्या झा मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिला अंतर्गत गुरुवारा गांव की रहने वाली थीं। वह हॉस्पिटल से जुड़े डीएनबी गर्ल्स हॉस्टल में रहती थीं। रविवार की देर तक डॉ. आर्या के साथ रहने वाली डॉक्टर जब हॉस्पिटल की ड्यूटी से लौटीं तो उन्हें फंदे पर लटकता देखकर शोर मचाया। तत्काल हॉस्पिटल के वरीय अधिकारी और पुलिस के अफसर मौके पर पहुंचे। इसके बाद शव को फंदे से उतारा गया।

फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट और फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल की जांच की है और मौके से जरूरी सैंपल लिए हैं। बोकारो के सेक्टर 4 थाने के इंस्पेक्टर संजय कुमार के मुताबिक, डॉक्टर के कमरे से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने अपने माता-पिता को संबोधित करते हुए लिखा, "सॉरी मम्मी-पापा, आई कैन नॉट वर्क, मुझे मेरे मनमाफिक डिपार्टमेंट नहीं मिला।

पुलिस ने सुसाइड नोट के अलावा डॉक्टर का लैपटॉप, मोबाइल सहित अन्य सामान को जांच के लिए अपने कब्जे में लिया है। घटना की सूचना पाकर मृतका के पिता संजीव कुमार झा और परिवार के अन्य लोग सोमवार को बिहार से बोकारो पहुंचे और पुलिस के समक्ष कागजी कार्रवाई पूरी की। उन्होंने पुलिस के समक्ष दर्ज कराए गए बयान में किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। पोस्टमार्टम के बाद उन्हें डॉ. आर्या का शव सौंप दिया गया। इस घटना से हॉस्पिटल के डॉक्टर और कर्मी स्तब्ध हैं। उन्होंने दिवंगत डॉक्टर की आत्मा की शांति के लिए सोमवार को दो मिनट का मौन रखा और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

केमिस्ट एसो. के अध्यक्ष बने ललित अग्रवाल, धीरज सचिव व विकास कोषाध्यक्ष

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की आम सभा सह होली मिलन समारोह रविवार को पोद्दार रेसीडेंसी बैंक मोड़ हुआ. सचिव धीरज दास ने सचिव प्रतिवेदन, कोषाध्यक्ष विकास अग्रवाल ने आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया. चुनाव पदाधिकारी सुनील पोद्दार, सह चुनाव पदाधिकारी राजेश सिंह व हितेश जे ठक्कर ने चुनावी प्रक्रिया शुरू की. छह सदस्यों द्वारा नॉमिनेशन पेपर लिया गया. किसी भी पद के लिए किसी भी सदस्य ने नॉमिनेशन पेपर नहीं लिया. लिहाजा 2025 से 2028 तक के लिए ललित अग्रवाल को अध्यक्ष, धीरज दास को सचिव, देवेन तिवारी को उपाध्यक्ष, विकास अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, नीलेंद्र सिंह को संगठन सचिव, संजय श्रीवास्तव को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया. झारखंड केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के महासचिव सुभाष मंडल, पंकज छाबड़ा, आशीष चटर्जी, संजय कसेरा, जिला चेंबर अध्यक्ष चेतन गोयनका, महासचिव अजय नारायणलाल, बैंक मेंबर अध्यक्ष प्रमोद गोयल, सचिव लोकेश अग्रवाल उपस्थित थे. झारखंड केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्णा प्रधान, वरीय उपाध्यक्ष उमेश श्रीवास्तव, महासचिव सुभाष मंडल ने नवनिर्वाचित कमेटी को बधाई दी. इस अवसर पर संगठन के देवेन तिवारी, मनोज अग्रवाल हिमांशु अग्रवाल, अजय सिंहा राकेश कुमार और धनबाद जिले के लगभग 486 सदस्य उपस्थित थे,

धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के एक गुट ने चुनाव का विरोध किया. लगभग 37 सदस्यों का हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन मुख्य चुनाव अधिकारी को सौंपा गया. उनका आरोप है कि केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के गाइड लाइन का पालन नहीं किया गया और दो दिन पहले आम सभा की घोषणा की गयी. बॉयलॉज के मुताबिक आम सभा बुलाने के लिए दो बड़े अखबार में विज्ञापन देना होता है, लेकिन एसोसिएशन के पदाधिकारी ने दो ऐसे अखबार को विज्ञापन दिया, जिसे किसी ने नहीं देखा. अचानक दो दिन पहले आमसभा सह चुनाव की सूचना वाट्सएप ग्रुप में डाली गयी।

बरलंगा थानेदार और एएसआई सस्पेंड, एसपी अजय कुमार ने लिया एक्शन

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): रांची/ रामगढ़, बरलंगा के थानेदार विकास आर्यन और एएसआई मंगल उरांव को सस्पेंड कर दिया गया। इन दोनों अधिकारियों को पुलिस कप्तान अजय कुमार ने सस्पेंड किया है। थानेदार और एएसआई पर एक शख्स के साथ थाना में बुलाकर मारपीट करने का इल्जाम था। इल्जाम की जांच का जिम्मा एसपी अजय कुमार ने पतरातू एसडीपीओ को सौंपा था। एसडीपीओ ने जांच में माला सही पाया और रिपोर्ट बना कर एसपी अजय कुमार के हवाले कर दिया। थानेदार और एएसआई पर लगे इल्जाम को सही पाये जाने पर एसपी ने दोनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया।

यहां याद दिला दें कि सूबे के डीजीपी अनुराग गुप्ता पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को पब्लिक के साथ अच्छा व्यवहार करने का सख्त निर्देश दे चुके हैं। वहीं, लापरवाह और अनुशासनहीन पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई का निर्देश सभी जिलों के पुलिस कप्तानों को दे चुके हैं। रामगढ़ एसपी ने इसी आदेश अनुपालन करते हुए यह कार्रवाई की है।

एसपी अजय कुमार ने कहा कि सभी पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को आमजनों के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करने, अवैध कार्यों में संलिप्त नहीं रहने के लिए सचेत और निर्देशित किया गया है। उसके बावजूद भी वे इस प्रकार के गैर जिम्मेवार, मनमाने और असंवेदनशील कार्य कर रहे हैं, जिससे पुलिस की छवि धुमिल हुई है, जो काफी दुर्भाग्यपूर्ण और किसी भी परिस्थिति में क्षम्य नहीं है।

आज, प्रेस क्लब झरिया का होली मिलन समारोह में होगी तिलक होली

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): झरिया, मंगलवार, 11 मार्च को, संध्या 5 बजे से प्रेस क्लब, कॉन्फ्रेन्स हॉल धर्मशाला रोड, झरिया में पत्रकारों के द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन। जिसमें सामाजिक व बुद्धिजीवी व अन्य गणमान्य लोग आपने विचारों का आदान प्रदान कर एक दूसरे को तिलक लगाकर के आपसी भाईचारे को कायम करते हुए झरिया पौराणिक संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे। इसकी तैयारी के साथ क्लब के अध्यक्ष पत्रकार गणेश मिश्रा और क्लब के सचिव पत्रकार शैलेन्द्र जायसवाल ने लोगों को आमंत्रित करते हुए कहा है कि सामाजिक समरसता हेतु उक्त अवसर पर पधार कर समारोह की गरिमा में अभिवृद्धि कर कार्यक्रम को नया आयाम प्रदान करें।

अपराधियों ने आउटसोर्सिंग कंपनी के निदेशक, उनके भाई व मैनेजर पर किया हमला

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): बीसीसीएल सिजुआ क्षेत्र की कनकनी कोलियरी में काम कर रही रामअवतार आउटसोर्सिंग कंपनी के निदेशक आदित्य सिंह, उनके भाई अभिषेक सिंह व प्रबंधक अंकित सिंह पर असामाजिक तत्वों ने हमला किया, तीनों बाल-बाल बचे, घटना गुरुवार रात की है,

इसमें अधिकारियों की स्कार्पियो जेएच 10 एएन 1818 के आगे का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया, आदित्य सिंह की शिकायत पर लोयाबाद पुलिस ने एक कार मालिक के अलावा अज्ञात 30 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है,

आदित्य ने कहा है कि गुरुवार देर रात करीब डेढ़ बजे वह अपने भाई अंकित सिंह व अभिषेक सिंह के साथ उत्खनन कार्य देखने जा रहे थे. जैसे ही डंप के पास पहुंचे, जेएच 10एआर 5478 नंबर की एक उजली कार पर सवार चार युवक उनकी गाड़ी के पास आये. वे लोग जान से मारने की धमकी देते हुए कंपनी का काम बंद कराने की बात कही.

इसी दौरान 25-30 लोग आ धमके और उलझने लगे. खतरा देख जब वे लोग भागने लगे, तो असामाजिक तत्वों ने स्कॉर्पियो पर पथराव शुरू कर दिया. जानकारी मिलने पर लोयाबाद थाना प्रभारी पीकू प्रसाद दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. तब तक अपराधी भाग चुके थे,

पीकू प्रसाद ने बताया कि निदेशक की शिकायत पर अज्ञात 25-30 अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जांच चल रही है, दोषियों पर कार्रवाई की जायेगी।

सीएफएम संक्षिप्त

कौलेजियम सदस्य न्यायमूर्तिगण का विरोध जारी रहा

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): रांची। आज भी झारखंड उच्च न्यायालय में कौलेजियम सदस्य न्यायमूर्तिगण का विरोध जारी रहा। सरकार की ओर से महाधिवक्ता के निर्देश पर सरकारी अधिवक्ता न्यायालय कक्ष में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने पहुंचे, एडवोकेट्स एसोसिएशन के सदस्यों के द्वारा न्यायालय कक्ष के बाहर सभी अधिवक्तागण से निवेदन व थोड़ी तकरार के बीच न्यायालय कक्ष में प्रवेश करने से रोक दिया गया।

तेज रफ्तार कार ने बारातियों को लिया अपनी चपेट में

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र के सेरेंगहातु गांव में एक तेज रफ्तार कार ने बारातियों को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। कई लोग घायल भी हुए है। घायलों का इलाज लोहरदगा सदर अस्पताल में चल रहा है।

होली स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): रांची। होली में ट्रेनों में भीड़ को देखते हुए रेलवे ने होली स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। जयनगर होली स्पेशल 12 मार्च को चलेगी। वहीं जयनगर रांची होली स्पेशल 13 मार्च को जयनगर से दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर रांची के लिए रवाना होगी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बैल घायल

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): गिरीडीह के डुमरी प्रखण्ड में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 पर आज अपराह्न किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बैल की बुरी तरह घायल हो गया, लोगों ने 1962 पर तीव्र मेडिकल सुविधा हेतु कॉल किया,लेकिन केवल कंपाउंडर युक्त वाहन अत्यधिक देर से पहुंची उक्त घायल बैल की तड़प - तड़प कर मौत हो गई /लोगों का मानना है कि यहां नकारा साबित हो रही है यह व्यवस्था।

पटाखा दुकान में लगी आग, पांच लोगो की मौत

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): गढ़वा। पटाखा दुकान में लगी आग, पांच लोगों के जिंदा जलने की सूचना, गढ़वा जिले गोदरमाना की घटना है छत्तीसगढ़ से सटा हुआ इलाका पांचों की हुईं मौत। मौके पर पहुंची है पुलिस मामले की कर रही है जांच।

मॉब लिंचिंग मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): लातेहार में बीती रात हुए मॉब लिंचिंग मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में लातेहार थाना काण्ड संख्या- 51/25 दर्ज करते हुए पुलिस ने लातेहार थाना क्षेत्र के गुवा गांव निवासी देवकी सिंह के 4 बेटों विनोख कुमार सिंह (40 वर्ष), कमलेश कुमार सिंह (35 वर्ष), अखलेश कुमार सिंह (33 वर्ष) और अमलेश कुमार सिंह (30 वर्ष) को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है।

भटमुरना में सड़क हादसे में 60 वर्षीय नरेश सिंह की मौत

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): कतरास थाना क्षेत्र के भटमुड़ना स्थित एनएच 32 पर एक सड़क हादसे में 60 वर्षीय नरेश सिंह की मौत हो गई। मृतक टुडू चिटाही निवासी थे और धनबाद ऑफिस जाने के दौरान यह दुर्घटना हुई। सूत्रों के अनुसार, टेलर गाड़ी संख्या जेएच 02 बीक्यू 5076 बोकारो से आ रही थी, और हादसा इसी गाड़ी से हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्वर्गीय सिंह बीसीसीएल में यूनियन प्रतिनिधि के रूप में मजदूरों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाते थे। वे बीसीसीएल से संबंधित मामलों में मृदु भाषी तरीके से उत्तर देने के लिए प्रसिद्ध थे। वे सांसद धनबाद और बाघमारा विधायक के करीबी माने जाते थे। इस हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

गांव में जल्द होगी पानी की समस्या दूर- हिरामन नायक

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): गोमो, गांव में जल्द होगी पानी की समस्या दूर,यह बातें जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि हिरामन नायक ने कही, विदित हो कि तोपचांची प्रखंड के हरिहरपुर और कोरकोट्टा पंचायत के टोले में पानी की स्थिति बद से बदतर है,हाल यह है कि ग्रामीण काफी दूर से पानी लाकर अपने घरेलू कार्य करने पर विवश है, ग्रामीणों की सूचना पर जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि हिरामन नायक सोमवार को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के जे. ई. साथ हरिहरपुर और कोरकोट्टा पंचायत निरीक्षण करने पहुंचे, जहां उन्होंने पाया कि गांव में पानी की स्थिति काफी खराब है,कई जगहों पर जल मीनार तो हैं लेकिन वर्षों से बंद पड़े हैं,जहां ग्रामीणों ने हिरामन नायक से बंद पड़े जल मीनार को चालू कराने की बात कही, जहां हिरामन नायक ने बंद पड़े जल मीनारों को बहुत जल्द कराने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

सावित्रीबाई फुले के पुण्यतिथि पर जिला कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ ने दी श्रद्धांजलि

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): हजारीबाग जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम मे जिला कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ के तत्वावधान में सावित्रीबाई फुले की 128वीं पुण्यतिथि उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला किसान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष ज्ञानी प्रसाद मेहता ने की। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस अध्यक्ष शैलेंद्र यादव व विशिष्ट अतिथि दिगंबर मेहता थे। साथ ही संचालन जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान तथा धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ कांग्रेसी मिथिलेश दुबे ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि इनका जन्म 03 जनवरी 1831 को हुआ था।

इनका बाल विवाह 1841 को महान समाज सुधारक ज्योतिराव फुले से हुआ था। सावित्रीबाई फुले भारत के प्रथम बालिका विद्यालय की पहली प्रधानाध्यापिक और किसान स्कूल की संस्थापक थी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक दिगम्बर प्रसाद मेहता ने कहा कि सावित्रीबाई फुले द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए दिखाए गए मार्ग का अनुसरण सभी को अपने सच्चे मन, आत्मा और भावना से करनी चाहिए। उन्होंने महिलाओं के लिए समानता की लड़ाई लड़ी। सामाजिक सुधारों की उनकी सोच शिक्षा और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी हुई है।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी राजू चौरसिया महिला कांग्रेस अध्यक्ष बेबी देवी, सेवादल अध्यक्ष गुड्डु सिंह अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष साजिद अली खान, रिंकू कुमार, सुनिल अग्रवाल सलीम रजा, दिलीप कुमार रवि, ऐके सुल्तान, परवेज अहमद, विजय कुमार सिंह, सदरूल होदा, अनिल भुईयां, मनोज मेहता, सतीश प्रसाद मोहता, नागेश्वर मेहता, दिनेश मेहता, राजेश कुमार मेहता, सैयद अशरफ अली, नरेश प्रसाद मेहता, बंसत प्रसाद मेहता, मो. रब्बनी के अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

पहली बार जामाडोबा ब्राइट स्कूल में कुरान के तर्जुमे के साथ हुई तरावीह

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (धनबाद): जामाडोबा में 8 दिन की तरावीह आज संपन्न हुई. 29 वर्षो से जामाडोबा ब्राइट स्कूल में दुकानदार एवं फलाहुल मुस्लिम कोमेटी तरावीह कराती आ रही है| कम समय में सभी दुकानदार को 8 दिन की तरावीह के साथ साथ अपनी दुकानदारी करने का मोका मिलता है| जामाडोबा, फुसबंगला, डिगवाडीह, भोवरा, नुनिकडीह जोरपोखर नंबर एक, आलमनगर, रमज़ान पुर आदि जगहों से दूकानदार इस तरावीह में शामिल होते है|

इस बार काफी संख्या में लोग पहुचे खत्म तरावीह पर इमामों का गुलपोशी कर खैरमकदम हुआ। नूरानी माहौल में नमाजियों ने तरावीह खत्म करने के बाद एक-दूसरे से मुसाफा किया और मुबारकबाद दी। तरावीह ख़तम होने के बाद कुरान की तर्जुमा सुनाई जाती थी| पहली बार तर्जुमा के साथ हुई तरावीह को लोगो ने शांति से सुना| लोगो को कुरान की तर्जुमा से बहुत सारी नई जानकारी मिली| अपने घर में बैठी महिलाओ ने भी अपना सारा काम छोड़ कर अपने ही घर में कुरान की तर्जुमा सुनने का मोका मिला|

हाफिज अम्मार कुरैशी ने कहा कि हज़रत मोहम्मद साहब का आने का मकसद था की हमारी पूरी उम्मत को तालीम (शिक्षा) मिले| उन्होने कहा, जो अल्लाह पर यकीन करते हुवे नमाज़े तरावीह पड़ता है| उसकी पिछले सारी गुनाह माफ़ हो जाती है|

तरावीह खत्म होने पर नमाजियों ने हाफिज को माला पहना कर मुबारकबाद दिया और उनका शुक्रिया अदा किया। उन्हें कपड़े और तोहफे दे कर नवाज़ा गया| ख़तम तरावीह के बाद देश में अमन शांति के लिए दुआ की गई| पुरे जामाडोबा में कुरान तरावीह की चर्चा हो रही है| लोग हाफिज कुरैशी की खूब तारीफ कर रहे है|

मौके पर मो0 मुनाजिर, मो0 मनौवर आलम (मन्नु), इमरान आलम (मुन्ने), मो0 ताजुद्दीन, मो0 शमीम अंसारी, मो0 सौकत अंसारी, जावेद खान, वासिम अंसारी, फरहान सिद्दीकी, आरिफ सिद्दीकी, मो. अरमान, डॉक्टर रियाज़ अंसारी, मुस्तकीम खान, मो0 शमशेर अंसारी आदि थे।

जनसंख्या के बोझ तले दबे संसाधन

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च 2025: भारत की वर्तमान में जनसंख्या भारी-भरकम देश चीन की जनसंख्या से लगभग बराबर हो गई है। यानी कुल मिलाकर एक अरब चालीस करोड़ आबादी वाला भारत में जनसंख्या के बोझ तले विकास और उन्नति बेहद धीमी और अविकसित है। विकसित तथा समृद्ध देश भारत की जनसंख्या में एक संभावना वाला उपभोक्ता बाजार तलाशते हैं और इसे बहुत बड़ी पूंजी भी मानकर अपनी उपभोक्ता सामग्री भारत में बेचने का प्रयास करते हैं। केवल बाजार में निवेश और बाजारी ताकत ही विकास का पैमाना नहीं हो सकती है। बहुत बड़ी जनसंख्या सीमित संसाधनों को नष्ट कर देती है और विकास की धार को कमजोर करने का काम करती है। यदि हम जनसंख्या पर नियंत्रण करते हैं तो देश में बिजली, पानी की कमी बढ़ती महंगाई, फैलती विनाशकारी बेरोजगारी, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, अशिक्षा के फैलाव पर नियंत्रण, गरीब व्यक्ति को और गरीब होने से रोकने का प्रभावी तरीका तथा सांप्रदायिक दंगों पर रोक लगाई जा सकती है। कम और नियंत्रित जनसंख्या तेजी से विकास का पैमाना हो सकती है। 1951 से लेकर 81 तक भारत में जनसंख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है और इसे जनसंख्या विस्फोट का भी नाम दिया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ में जनसंख्या के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने हेतु प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को जनसंख्या दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है। वर्तमान जनसंख्या का विशाल स्वरूप 1981 के बाद भारत में विशालतम हो गया है और आज की जो जनसंख्या का विस्फोट उसी की परिणति है। भारत में जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण अशिक्षा, अंधविश्वास और घटती मृत्यु दर भी है। सीमित संसाधन कमजोर आर्थिक व्यवस्था के कारण देश में बेरोजगारी भ्रष्टाचार गरीबी महंगाई पानी तथा बिजली की कमी बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम ही हैं। यह तो अत्यंत निश्चित है यदि हम जनसंख्या पर नियंत्रण कर ले तो हम अपने विकास की गति को दोगुना कर सकते हैं। विकास के विभिन्न स्वरूपों को देखा जाए तो इसमें हम समावेशी विकास के रूप में देखकर आर्थिक विकास की उत्तर जनित राष्ट्रीय आय के विस्तृत नियोजन में समाज के सबसे गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को सही लाभ मिलने का नजरिया भी तलाशते हैं। जनसंख्या नियंत्रण कर गरीबी को नीचे से ऊपर की ओर सुधारने का काम हमें करना होगा और इसके लिए यह जरूरी है की कमजोर और वंचित वर्गों जिनमें महिला, वृद्ध, एससी, एसटी,श्रमिक आदि शामिल हैं को समुचित लाभ मिलना चाहिए। बच्चे आने वाले देश के नागरिकों के लिए उचित एवं आवश्यक शिक्षा की सुविधा मुहैया होनी चाहिए। वैसे जनसंख्या नियंत्रण ही विकास की समुचित धारा नहीं हो सकती हमें जनसंख्या के साथ सामाजिक आर्थिक सुरक्षा एवं सीमित संसाधनों के साथ तालमेल बिठाकर निरंतर आगे बढ़ना होगा लेकिन आवश्यकता संसाधनों के उचित दोहन नीतियों एवं कार्यक्रमों की है और आवश्यकता है नवाचार एवं उचित तकनीकी प्रौद्योगिकी की भी। वर्तमान में भारत विश्व में सबसे युवा आबादी वाला देश है उसके विपरीत चीन और जापान में निरंतर जनसंख्या में वृद्धों का अनुपात बढ़ रहा है इस तरह भारत में प्रचुर मानव संसाधन के स्रोत उपलब्ध हैं जिसका सही उपयोग करके भारत अपनी आर्थिक तथा सामरिक शक्ति को अत्यंत शक्तिशाली कर सकता है, इसके विपरीत भारत में विस्तृत रूप से गरीबी, बीमारियां, बेरोजगारी, जैसी विकराल समस्या में विद्यमान है। विश्व के कई कम आबादी वाले देश जैसे सोमालिया,लिथुआनिया आदि गरीबी, बेरोजगारी, आतंकवाद की समस्या से दो-चार हो रहे हैं और कम जनसंख्या के बावजूद विकास नहीं कर पा रहे हैं। जबकि बहुत बड़ी जनसंख्या वाले देशों में चीन और अमेरिका विकसित राष्ट्रों की कतार में हैं एवं विकास के शीर्ष पर हैं। भारत के पास सभी संसाधन और विकसित होने के सारे अवयव हैं इसके बावजूद भारत विज्ञान, टेक्नोलॉजी मैं काफी पीछे होकर अशिक्षा, अंधविश्वास, कृषि कार्यों का निम्न स्तर आर्थिक असमानता की समस्याएं झेल रहा है जो भारत के विकास में बाधक है। भारत में अब आज की व्यवस्था में जनसंख्या नियंत्रण तो होना ही चाहिए इसके साथ जरूरत है संसाधनों के उचित प्रयोग एवं सदुपयोग की। अब सोचने की हमारी बारी है क्या जनसंख्या नियंत्रण गरीबी दूर करने बेरोजगारी दूर करने दंगा रोकने की जिम्मेदारी सिर्फ शासन प्रशासन पर ही है, हम आम नागरिकों की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती जबकि हम जानते हैं कि समस्याओं को उत्पन्न करने में हम ही लोग ज्यादा जिम्मेदार हैं हम लोग को यह समझना होगा कि समस्याओं से निपटने की हमारी भूमिका उतनी ही अहम है जितनी शासन-प्रशासन की। इसीलिए जनसंख्या नियंत्रण उपलब्ध संसाधनों के समुचित सही दोहन की जिम्मेदारी हम सब पर होती है इसमें समुचित सहयोग प्रदान करना होगा तब जाकर भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आकर खड़ा हो सकता है।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, लेखक, चिंतक
रायपुर छत्तीसगढ़

शबरी से द्रौपदी मुर्मू तक का सफर...

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च 2025: भारतीय संस्कृति स्त्री शक्ति के प्रति अपनी श्रद्धा के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है। शक्ति को इस पूजा के एक मूलभूत पहलू के रूप में मनाया जाता है। प्राचीन ग्रंथ मनुस्मृति में कहा गया है, "जहाँ भी महिलाओं का सम्मान किया जाता है, वहाँ देवता मौजूद होते हैं," जो समाज में महिलाओं के सम्मान के महत्त्व पर प्रकाश डालता है। विशेष रूप से, भारत इस मायने में अद्वितीय है कि इसके नाम के आगे अक्सर "माता" शब्द जोड़ा जाता है, जिसका अर्थ है माँ। वर्तमान में, सत्ययुग युग की पूजनीय माता शबरी के वंश से आने वाली द्रौपदी मुर्मू दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में राष्ट्रपति का प्रतिष्ठित पद संभाल रही हैं, जो लोकतंत्र के क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतीक है।

दलित महिलाएँ भारत की आबादी का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। लंबे समय से, उन्हें सामाजिक बहिष्कार और अपमान का सामना करना पड़ा है। भारत में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आख्यान अक्सर हाशिए के समुदायों की महिलाओं के योगदान को नज़रअंदाज़ करते हैं, इसके बजाय पुरुष-केंद्रित दृष्टिकोण या प्रमुख जातियों के दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करते हैं। दलित महिला नायकों की अनकही कहानियों और पूरे इतिहास में उनके संघर्षों को याद करके, हम इन आख्यानों को समृद्ध कर सकते हैं और संस्थागत भेदभाव का सामना कर सकते हैं जिसे दलित महिलाएँ पीढ़ियों से झेलती आ रही हैं। आज की महिला नेता लचीली और विविधतापूर्ण हैं। वे वैश्विक जलवायु आंदोलन में सबसे आगे हैं, सामाजिक सुरक्षा की वकालत कर रही हैं, संकटों से निपट रही हैं और प्रणालीगत नस्लीय भेदभाव को ख़त्म करने के लिए काम कर रही हैं। दुनिया भर में, महिला नेता जीवन बदल रही हैं और सभी के लिए एक उज्ज्वल भविष्य की प्रेरणा दे रही हैं।

रामायण में सबरी की कहानी स्वीकृति, निस्वार्थता और बिना शर्त प्यार के विषयों का उदाहरण है, जो कई भजनों और कविताओं को प्रेरित करती है। भक्ति के उदय ने संत निर्मला और सोयराबाई जैसी महार जाति की महिलाओं को पारंपरिक हिंदू मान्यताओं को चुनौती देने के लिए प्रेरित किया। नांगेली ने कठोर "स्तन कर" का बहादुरी से विरोध किया, जो निचली जाति की महिलाओं को लक्षित करता था जो अपने स्तनों को ढकती थीं। कुइली, एक दलित महिला, जिसने तमिलनाडु में शिवगंगा की रानी वेलु नचियार की सेना का नेतृत्व किया, ने 1780 के आसपास ब्रिटिश सेना के खिलाफ लड़ाई लड़ी। एक अन्य साहसी दलित योद्धा झलकारीबाई, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में एक प्रमुख व्यक्ति थीं, जो झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की एक विश्वसनीय सहयोगी के रूप में सेवा कर रही थीं। उजीराव, लखनऊ समाज सुधारकों में, सावित्रीबाई फुले दलित शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी के रूप में उभरीं, उन्होंने 1848 में मात्र नौ लड़कियों के साथ एक स्कूल की स्थापना की, जो 1851 तक लगभग 150 महिला छात्राओं वाले तीन स्कूलों तक विस्तारित हो गया।

उन्होंने 1849 में एक स्कूल शुरू करने के लिए अपनी मित्र फातिमा शेख के साथ मिलकर काम किया और 1852 में महिला अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए महिला सेवा मंडल की स्थापना की, साथ ही बालहत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की, जो विधवाओं और हमले के पीड़ितों के लिए प्रसव के लिए एक सुरक्षित स्थान था।

मूवलुर राममिर्थम अम्मैयार ने दमनकारी देवदासी प्रथा के खिलाफ अभियान चलाया, 1936 में इस विषय पर एक तमिल उपन्यास प्रकाशित किया और 1945 में काल्पनिक शृंखला दमयंती बनाई। दक्षायनी वेलायुधन ने 1946 में संविधान सभा के लिए चुनी गई पहली और एकमात्र दलित महिला के रूप में इतिहास रच दिया। महाराष्ट्र में शांताबाई कांबले, मल्लिका अमर शेख और कुमुद पावड़े जैसी लेखिकाओं ने अपनी आत्मकथाओं के माध्यम से दलित नारीवाद को उजागर किया। तमिलनाडु में बामा और पी शिवकामी जैसे लेखकों ने लैंगिक भेदभाव को उत्पीड़न के दोहरे रूप के रूप में सम्बोधित किया। उर्मिला पवार और मीनाक्षी मून जैसी मराठी लेखिकाओं ने महिला आंदोलन के भीतर दलित महिलाओं को सुर्खियों में लाने के लिए काम किया, अपने शोध और व्यक्तिगत कहानियों का उपयोग करके उनके सामने आई कठोर वास्तविकताओं को उजागर किया।

चुनौतीपूर्ण व्यवस्था में फंसी दलित महिलाओं को बाहर निकलने के विकल्प प्रदान करने के लिए श्रम कानूनों में सुधार करना आवश्यक है। सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन को आर्थिक विकल्पों के साथ जोड़ना महत्त्वपूर्ण है। महिलाओं को कौशल प्रदान करने और शिक्षित करने में महत्त्वपूर्ण निवेश आवश्यक है, साथ ही औपचारिक क्षेत्र में नई नौकरियों का सर्जन करने के लिए सरकार के प्रयासों के साथ-साथ रोजगार सर्जन में बाधाओं को कम करना भी आवश्यक है। महिलाओं के लिए अधिक स्थिर-मजदूरी वाली नौकरियाँ सुनिश्चित करना उनके सामाजिक-आर्थिक शोषण का मुकाबला करने के लिए महत्त्वपूर्ण है। गहरी जड़ें जमाए हुए पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और लड़कों को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति को चुनौती देने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है। महिलाओं को निर्णय लेने के अधिकार और शासन में उचित प्रतिनिधित्व के साथ सशक्त बनाया जाना चाहिए। इसलिए, भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए महिला आरक्षण विधेयक को शीघ्रता से पारित किया जाना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, सामाजिक कल्याण के उद्देश्य से कार्यक्रमों की देखरेख के लिए सरकारी या सामुदायिक संगठन स्थापित किए जाने चाहिए। दलित महिलाओं को लक्षित नीतियों और पहलों की आवश्यकता है जो विशेष रूप से उनकी अनूठी चुनौतियों का समाधान करें। व्यापक स्वास्थ्य नीतियाँ, विशेष रूप से मातृ और बाल स्वास्थ्य पर केंद्रित, महत्त्वपूर्ण हैं। केरल के कुदुम्बश्री मॉडल से प्रेरणा लेते हुए महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए प्रोत्साहित करके ऋण तक पहुँच में सुधार किया जा सकता है। भारत में दलित महिलाओं को इस समय एक महत्त्वपूर्ण मोड़ का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें तीन महत्त्वपूर्ण बाधाओं से गुजरना पड़ रहा है: वर्ग, जाति और पितृसत्ता। सामाजिक संरचना के ये तीन परस्पर जुड़े पहलू लैंगिक गतिशीलता और दलित महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले उत्पीड़न को समझने के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

प्रियंका सौरभ

साहिर लुधियानवी: अधूरे प्रेम की पीर का शायर

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च 2025: ऊनी वस्त्रों, मशीनों के कलपुर्जों, सिलाई मशीनों, कपड़ा-निर्माण एवं होजरी उत्पादों के लिए दुनिया में विख्यात सतलज नदी के तट पर स्थित लुधियाना कभी ब्रिटिश छावनी रहा था। इसी औद्योगिक शहर में एक अजीम शख्सियत ने जन्म लिया जिसने लुधियाना को नई पहचान दी और ऊंचाई भी। और वह महनीय व्यक्तित्व था अधूरे प्रेम की पीर का शायर साहिर लुधियानवी। हालांकि, 'साहिर' का मूल नाम अब्दुल हई फजल मोहम्मद था लेकिन उपनाम 'साहिर' की चमक इतनी तेज थी कि मूल नाम उसमें खो गया। साहिर का जन्म 8 मार्च, 1921 को लुधियाना के एक जमींदार परिवार में हुआ था, पर एक धनी परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद भी साहिर का बचपन और जवानी घोर गरीबी और कष्टों में बीते। मां-बाप के बीच अनबन और फिर अलगाव के कारण आप मां के साथ ही रहे। आपकी आरंभिक शिक्षा लुधियाना में ही हुई और यहीं छात्र जीवन में ही शायरी का ऐसा रंग चढ़ा जो फिर जीवन भर नहीं उतरा। किशोरावस्था से ही आप शायरी करने लगे थे और अपने कॉलेज में लोकप्रिय थे। कॉलेज में ही आपके पहले प्यार का अंकुर फूटा पर असमय ही मुरझा गया। दूसरी लड़की को दिल दे बैठे और परिणाम में लड़की के पिता द्वारा कालेज से निकलवा दिए गये। दो अधूरे प्रेम से लुधियाना में मन न लगने लगा और 1943 में लाहौर की राह पकड़ी और यहीं 24 साल की उम्र में पहला संग्रह 'तल्खियां' छपा। संग्रह से शायरी की दुनिया में पहचान बनी और आप चर्चा के केन्द्र में आ गये। रोजी-रोटी के लिए 1945 में उर्दू अखबार 'अदब-ए-लतीफ' में संपादक के रूप में काम करना प्रारंभ किया। साथ ही एक द्विमासिक पत्रिका 'सबेरा' का भी संपादकीय कार्य निर्वहन् करने लगे। लेकिन 'सबेरा' में छपे अपने एक संपादकीय के कारण आपको लाहौर छोड़ना पड़ा। 1949 में आप दिल्ली आ गए लेकिन दिल्ली आपको बांध न सकी। किस्मत में तो कहीं और ठिकाने का दाना-पानी लिखा था। तो मुम्बई आपका नया ठिकाना बना और प्रसिद्धि का कारण भी। वहां 'शाहराह' उर्दू पत्रिका के संपादन का काम संभाल लिया। मुम्बई कला की नगरी थी और आपकी शायरी को सिर आंखों पर लिया। मुंबई में काम करते हुए फिल्मी जगत् के लोगों से मिलना-जुलना हुआ। और आपको 1949 में एक फिल्म 'आजादी की राह' के गीत लिखने का मौका मिला लेकिन गीत चल न सके। लेकिन आप निराश होकर बैठने की बजाय फिल्मों की नब्ज की पहचान की और तदनुरूप स्वयं को जांचा-परखा एवं तैयार किया। संयोग से, फिल्म 'नौजवान' के सचिनदेव बर्मन के संगीतबद्ध किए गए आप के गीत लोगों की जुबान पर चढ़ गये और सिने संसार में पहचान भी मिली और प्रसिद्धि भी। फिर तो, आपके गीत फिल्मों के सफल होने का पैमाना बन गये। आपके गीतों से सजी बाजी, कागज के फूल, चौदहवीं का चांद, शगुन, चंद्रलेखा, प्यासा, फिर सुबह होगी, कभी कभी जैसे फिल्में मील का पत्थर साबित हुईं। 1950 से 1975 का दौर आपके गीतों का स्वर्णकाल था। यही वह समय था जब फिल्म निर्माता आपकी चौखट को चूमने में स्वयं को धन्य समझते थे। तब आपने अपनी शर्तों पर गीत लिखे। वह पहले गीतकार थे जिन्हें गीतों की रॉयल्टी मिलती थी और आपके प्रयासों से ही आकाशवाणी से प्रसारित होने वाले गीतों में फिल्म एवं संगीतकार के नाम के साथ गीतकार का नाम भी उद्घोषित किए जाने लगा। एक समय तो आप अपने मेहनताने के एवज में संगीतकार के मेहनताने से एक रुपया ज्यादा लिया करते थे। उनके लिखे गीतों को मोहम्मद रफी, महेन्द्र कपूर, यसुदास, किशोर कुमार, हेमन्त कुमार, लता मंगेशकर, आशा भोंसले, मन्ना डे, गीता दत्त ने अपने मधुर कंठों का साथ दिया तो खय्याम, एन. दत्ता, शंकर-जयकिशन, जयदेव, रवि, सचिनदेव बर्मन जैसे चोटी के संगीतकारों ने मनोहारी धुनों से सजाया। गीतों के संगीत पक्ष का वह खूब ध्यान रखते थे। एक रोचक किस्सा है कि राजकपूर की फिल्म 'फिर सुबह होगी' के संगीतकार शंकर-जयकिशन की जगह आपने खय्याम को यह कहते हुए रखवाया कि शंकर-जयकिशन को समाजवाद की समझ नहीं है और ये मेरे गीत के साथ न्याय नहीं कर पायेंगे। साठ का दशक प्रगतिशीलता का दशक था और 'साहिर' भी आरम्भ में समकालीन शायरों की तरह शायरी में प्रगतिशील सिद्धांतों के पोषक रहे। वह मजदूर संगठन, लाल सलाम, फावड़ा, हसिया, दरांती के काव्य-प्रतीक लेकर मजदूरों और मजलूमों के अधिकारों की पैरवी करते रहे। वह मजदूरों को बल प्रदान करते हुए कहते हैं कि 'आज से ऐ मजदूर-किसानों, मेरे राग तुम्हारे हैं। फाकाकश इंसानों मेरे जोग-बिहाग तुम्हारे हैं। आज से मेरे फन का मकसद जंजीरे पिघलाना है, आज से मैं शबनम के बदले अंगारे बरसाऊंगा।' लेकिन जल्दी ही प्रगतिशीलता का दामन छोड़ समय के साथ बढ़ते हुए साहिर अपने अधूरे प्रेम की पीड़ा को गीतों के माध्यम से व्यक्त करने लगे। साहिर चार बार प्रेम में पड़े पर कोई भी मुकम्मल न हो सका। प्रेम की पीर की यह कसक उनके हृदय में आजीवन बनी रही। तभी तो वह कह उठे कि 'तुम मुझे भूल भी जाओ तो ये हक है तुमको, मेरी बात और है मैंने तो मुहब्बत की है।' वह प्यार की चाह में जीये, प्यार की खातिर जीये पर उन्हें प्यार न मिल सका। उनकी पीड़ा ही गीत बन ढल गई कि 'कोई तो ऐसा घर होता, जहां से प्यार मिल जाता। वहीं बेगाने चेहरे हैं, जहां जायें जिधर जायें।' साहिर ने देश के बंटवारे का हिंसक दृश्य देखा था। भीषण रक्तपात से आपका कवि मन रो उठा और लेखनी से ये पंक्तियां निकलीं कि 'जमीं ने खून उगला, आसमां ने आग बरसाई। जब इंसानों के दिल बदले, तो इंसानों पे क्या गुजरी।' वह सांप्रदायिक संघर्ष के विरोधी थे तो समन्वय के समर्थक। तभी तो फिल्म हम दोनों में लिखे गीत 'अल्लाह तेरो नाम, ईश्वर तेरो नाम' ने सभी का ध्यान खींचा। उनके प्रसिद्ध गीतों में 'पल दो पल का शायर हूं, 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें हम दोनों', 'कभी खुद पे तो कभी हालात पे रोना आया', लागा चुनरी में दाग, जो वादा किया वह निभाना पडेगा, आ जा तुझको पुकारे मेरा प्यार', निगाहे मिलाने को जी चाहता है, मोहब्बत बड़े काम की चीज है' आदि गीत कुछ नमूने भर हैं। राज्य सभा चैनल ने साहिर पर एक घंटे की लघु फिल्म बनाकर श्रद्धांजलि दी है। जमींदारी के शौक तो खून में थे ही तो जब मुम्बई में साहिर का नाम बिकने लगा तो तो साहिर शराब में डूब गये। रात-रात भर महफिले सजतीं, मंहगी शराब परोसी जातीं और शायरी का दौर चलता। साहिर खुद की तारीफ सुनने को हमेशा लालायित रहते थे। 1971 में पद्मश्री से सम्मानित यह जनकवि अपने नाम 'साहिर' के अर्थ जादू को सार्थक करते हुए वह शब्दों में प्रेम, सौन्दर्य, समाजवाद का जादू ही तो पैदा करते रहे। प्रेम की डगर में अधूरे प्रेम को जीता हुआ यह पथिक मुकम्मल प्रेम का सपना संजोये 25 अक्टूबर, 1980 को मुंबई में चिर निद्रा में सो गया। भारत के राष्ट्रपति महामहिम प्रणब मुखर्जी ने 8 मार्च, 2013 को साहिर लुधियानवी पर पांच रुपए का एक स्मारक डाक टिकट जारी कर भाव सुमन अर्पित किए। वास्तव में साहिर लुधियानवी प्रेम एवं सौंदर्य के गीतों के उपवन के सुवासित सुमन थे।

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा (उ.प्र)

यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन का भविष्य?

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च 2025: यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन का दृष्टिकोण वर्तमान में अस्पष्ट है, जो राजनीतिक कारकों, सैन्य आवश्यकताओं और वैश्विक सम्बंधों द्वारा आकार लेता है। यूक्रेन को अमेरिकी सहायता का स्तर राजनीतिक परिदृश्य, यूक्रेन में चल रही सैन्य स्थिति और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगियों के साथ सहयोग पर निर्भर करेगा। जैसे-जैसे अमेरिका और दुनिया भर में परिस्थितियाँ बदलती हैं, यूक्रेन के लिए समर्थन का प्रकार और मात्रा भी बदलती रहेगी।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिले हैं। हाल ही में, यूक्रेन के साथ सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करना रोक दिया गया है, क्योंकि अमेरिका कीव को रूस के साथ शांति वार्ता में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता है। इस बदलाव ने यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं के बारे में चिंताएँ पैदा कर दी हैं, विशेष रूप से यू.एस. निर्मित पैट्रियट मिसाइल प्रणालियों की उपलब्धता के बारे में, जो कीव जैसे शहरों को रूसी हमलों से बचाने के लिए महत्त्वपूर्ण रही हैं। यूरोपीय सहयोगियों के पास इन प्रणालियों का कोई प्रत्यक्ष विकल्प नहीं है, जिससे यूक्रेन जोखिम में पड़ सकता है। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रम्प रूस पर नए प्रतिबंधों और टैरिफ़ पर विचार कर रहे हैं ताकि मास्को को शत्रुता समाप्त करने के लिए मजबूर किया जा सके। यह रणनीति प्रत्यक्ष सैन्य समर्थन से आर्थिक रणनीति में परिवर्तन को चिह्नित करती है। इन परिवर्तनों ने यू.एस.-यूक्रेन सम्बंधों पर दबाव डाला है और यूरोपीय सहयोगियों के साथ तनाव पैदा किया है, जो यूक्रेन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने पर्याप्त सैन्य ख़र्च पहल की घोषणा की है।

अलग-अलग दृष्टिकोणों ने यूक्रेन की स्थिति के बारे में यू.एस और यूरोप के बीच बढ़ते विभाजन को जन्म दिया है। कुल मिलाकर, यूक्रेन के लिए यू.एस. समर्थन का भविष्य प्रत्यक्ष सैन्य सहायता से हटकर आर्थिक और कूटनीतिक रणनीतियों की ओर बढ़ रहा है, जो वर्तमान में विदेश नीति के व्यापक पुनर्मूल्यांकन का संकेत देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने फरवरी 2022 में रूस द्वारा पूर्ण रूप से आक्रमण शुरू करने के बाद से यूक्रेन को सैन्य और वित्तीय सहायता के साथ महत्त्वपूर्ण रूप से सहायता की है। विभिन्न सहायता पैकेजों के माध्यम से अधिकृत कुल निधि लगभग 175 बिलियन डॉलर तक पहुँच गई है, जिसमें सैन्य सहायता के लिए काफ़ी राशि आवंटित की गई है। हालांकि, हाल के बदलावों से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तहत अमेरिकी नीति में संभावित बदलाव का संकेत मिलता है, जिन्होंने रूस के साथ शांति वार्ता को प्रोत्साहित करने के प्रयास में यूक्रेन के साथ सभी सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करना बंद कर दिया है। यूक्रेन की सैन्य स्थिति नाजुक बनी हुई है। चल रही सैन्य सहायता महत्त्वपूर्ण है; विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि इसके बिना, यूक्रेन को युद्ध के मैदान में बड़ा नुक़सान हो सकता है।

अमेरिका उन्नत हथियारों और खुफिया जानकारी का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत रहा है जिसने यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मज़बूत किया है। यदि अमेरिकी सहायता कम हो जाती है या पूरी तरह से बंद हो जाती है, तो विशेषज्ञों का मानना है कि इससे रूस की बड़ी ताकतों के खिलाफ अपनी रक्षा बनाए रखने की यूक्रेन की क्षमता में गंभीर बाधा आएगी। दूसरी ओर, यदि सहायता वर्तमान या बढ़े हुए स्तरों पर जारी रहती है, तो यह समय के साथ यूक्रेन की क्षमताओं को महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकती है।

2022 में रूस के आक्रमण के बाद से भू-राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करने में अमेरिका और यूक्रेन के बीच सम्बंध महत्त्वपूर्ण रहे हैं। 2024 तक, अमेरिका ने यूक्रेन को 119 बिलियन डॉलर से अधिक की सहायता प्रदान की थी, लेकिन हाल के राजनीतिक परिवर्तनों और बजट सीमाओं ने इस सहायता के भविष्य पर संदेह पैदा कर दिया है। इस अनिश्चितता का यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं और समग्र क्षेत्रीय स्थिरता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिका और यूक्रेन के नेताओं के बीच हाल ही में हुए आदान-प्रदान के दौरान तनाव को उजागर किया गया, जिससे अमेरिकी सैन्य और राजनयिक समर्थन की निरंतरता के बारे में चिंताएँ बढ़ गईं।

नियोजित राजनयिक दोपहर के भोजन को अचानक रद्द करना सद्भावना की कमी का संकेत देता है, जिससे कीव और यूरोपीय नेताओं में चिंता पैदा हो गई है। इसके अतिरिक्त, कई रिपब्लिकन राजनेताओं ने अमेरिकी सरकार की वर्तमान स्थिति का समर्थन किया है। अमेरिकी सैन्य सहायता में कमी रूस को यूक्रेन में अपनी कार्रवाइयों को तेज करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप सत्ता शून्यता का लाभ उठाया जा सकता है। 2014 में क्रीमिया पर कब्ज़ा करने जैसे अमेरिकी निष्क्रियता के ऐतिहासिक उदाहरणों ने पुतिन को अपने विस्तारवादी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। अमेरिका के समर्थन के बिना, यूक्रेन को अपनी रक्षा बनाए रखना चुनौतीपूर्ण लग सकता है, जिससे क्षेत्रीय नुक़सान का जोखिम हो सकता है। अमेरिकी F-16 लड़ाकू विमानों की अनुपस्थिति यूक्रेन की हवाई श्रेष्ठता को कम कर सकती है, जिससे युद्ध के मैदान पर गतिशीलता प्रभावित हो सकती है। अमेरिका की कम उपस्थिति मास्को को बीजिंग के करीब ला सकती है, जिससे वैश्विक शक्ति सम्बंधों को नया आकार मिल सकता है।

चीन के साथ रूस के बढ़ते आर्थिक सम्बंध, विशेष रूप से ऊर्जा निर्यात में, इस भू-राजनीतिक बदलाव को दर्शाते हैं। यूरोपीय देशों को अमेरिकी वापसी से छोड़े गए शून्य को भरने के लिए क़दम उठाने की आवश्यकता हो सकती है, जिससे उनकी अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव पड़ सकता है। जर्मनी और यू.के. ने पहले ही अमेरिकी अनिश्चितताओं के मद्देनजर नए सैन्य समर्थन के लिए प्रतिबद्धता जताई है। एक विखंडित पश्चिमी गठबंधन संघर्ष में गतिरोध पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय तक अस्थिरता बनी रह सकती है। कोरियाई युद्ध (1950-1953) इस बात की याद दिलाता है कि कैसे अनसुलझे महाशक्ति तनाव लंबे समय तक चलने वाले जमे हुए संघर्षों को जन्म दे सकते हैं। यूक्रेन से अमेरिका की कथित वापसी नाटो की सामूहिक रक्षा रणनीति को कमजोर कर सकती है। रूस की आक्रामकता को रोकने में असमर्थता बाल्टिक राज्यों और पूर्वी यूरोप के खिलाफ भविष्य के खतरों को भड़का सकती है। इससे यूरोपीय देशों पर सैन्य बोझ बढ़ेगा, जिससे उन्हें रक्षा ख़र्च बढ़ाने और सैन्य सहयोग बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

यूरोपीय संघ की नई €50 बिलियन की सहायता पहल का उद्देश्य संभावित अमेरिकी वापसी के प्रभावों को कम करना है। सत्ता का शून्य रूस को पूर्वी यूरोप में नाटो के संकल्प को चुनौती देने के लिए प्रेरित कर सकता है। मोल्दोवा और बाल्टिक में रूसी हाइब्रिड युद्ध की रणनीति दर्शाती है कि मॉस्को पश्चिमी कमजोरियों का परीक्षण कैसे करता है। रूसी गैस पर निर्भर यूरोपीय देशों को नए सिरे से ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है, जैसा कि 2022 नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन तोड़फोड़ की घटना से उजागर हुआ, जिसने ऊर्जा युद्ध के लिए यूरोप की संवेदनशीलता को उजागर किया। जवाब में, यूरोपीय देश अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए एक स्वतंत्र सुरक्षा ढांचा स्थापित करने की कोशिश कर सकते हैं। यूक्रेन के लिए चल रहा अमेरिकी समर्थन यूरोपीय सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता दोनों के लिए महत्त्वपूर्ण है।

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत में नारी का सम्मान और उनकी अग्रणी भूमिका

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च 2025: भारत मे नारी सदैव से अग्रणी रही है, हमारी परंपरा, संस्कृति और चिंतन में नारी सदैव ही सम्मानीय रही है। भारत में नारी का स्थान प्राचीन काल से ही अत्यंत सम्माननीय रहा है। हमारी संस्कृति में नारी को शक्ति, ज्ञान और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। वेदों और पुराणों में नारी को माँ, देवी, सहधर्मिणी और समाज की आधारशिला के रूप में प्रस्तुत किया गया है। भारतीय संस्कृति में नारी को देवी स्वरूप माना गया है—सरस्वती ज्ञान की, लक्ष्मी समृद्धि की और दुर्गा शक्ति की प्रतीक हैं। रामायण और महाभारत में सीता, द्रौपदी जैसी नारियाँ न केवल अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान रहीं, बल्कि उन्होंने समाज को नई दिशा भी दी। हालाँकि, मध्यकाल में कुछ सामाजिक कुरीतियों ने नारी की स्थिति को प्रभावित किया, लेकिन आधुनिक भारत में नारी फिर से अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के प्रति जागरूक हो रही है। आज वे शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, खेल और व्यवसाय के हर क्षेत्र में अग्रणी हैं। नारी सशक्तिकरण के साथ समाज का विकास जुड़ा है। जब नारी सशक्त होगी, तभी राष्ट्र भी सशक्त होगा। भारत की नारी सदैव से सम्माननीय रही है और आगे भी समाज को दिशा देती रहेगी।

"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता"

यह प्राचीन संस्कृत सूक्ति केवल शब्द नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक और दार्शनिक परंपराओं में महिलाओं के प्रति गहरी श्रद्धा का प्रतीक है। इस सूक्ति के अनुसार, जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवता निवास करते हैं।

हमारे दैनिक जीवन में महिलाओं की एक विशेष भूमिका रही है। महिलाएं समाज में एक अभिन्न भूमिका निभाती हैं। वे परिवारों की रीढ़ हैं और समुदायों के विकास और वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। महिलाओं, बहन, बेटियों को जीतने अधिक अवसर एवं, सुविधाएँ मिलेगी, वह समाज को कई गुना लौटाकर देंगी। किसी संस्कृति को अगर समझना है तो सबसे आसान तरीका है कि उस संस्कृति में नारी के हालात को समझने की कोशिश की जाए। किसी भी देश के विकास संबंधी सूचकांक को निर्धारित करने हेतु उद्योग, व्यापार, खाद्यान्न उपलब्धता, शिक्षा इत्यादि के स्तर के साथ ही इस देश की महिलाओं की स्थिति का भी अध्ययन किया जाता है। नारी की सुदृढ़ एवं सम्मानजनक स्थिति एक उन्नत, समृद्ध तथा मज़बूत समाज की द्योतक है।

भारतीय महिलाएं ऊर्जा से लबरेज, दूरदर्शिता, जीवन्त उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ सभी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है। भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के शब्दों में, "हमारे लिए महिलाएं न केवल घर की रोशनी हैं, बल्कि इस रौशनी की लौ भी हैं"। अनादि काल से ही महिलाएं मानवता की प्रेरणा का स्रोत रही हैं। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से लेकर भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले तक, महिलाओं ने बड़े पैमाने पर समाज में बदलाव के बड़े उदाहरण स्थापित किए है। हालाँकि सावित्रीबाई फुले युद्धभूमि की वीरांगना नहीं थीं, लेकिन उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाकर समाज को जागरूक किया। उन्होंने महिलाओं और दलितों की शिक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। भारत में जब भी महिलाओं के सशक्तिकरण की बात होती है तो महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की चर्चा ज़रूर होती है। रानी लक्ष्मीबाई न सिर्फ़ एक महान नाम है बल्कि वह एक आदर्श हैं उन सभी महिलाओं के लिए जो खुद को बहादुर मानती हैं और उनके लिए भी एक आदर्श हैं जो महिलाएं ये सोचती है कि 'वह महिलाएं हैं तो कुछ नहीं कर सकती.' देश के पहले स्वतंत्रता संग्राम (1857) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली रानी लक्ष्मीबाई के अप्रतिम शौर्य से चकित अंग्रेजों ने भी उनकी प्रशंसा की थी और वह अपनी वीरता के किस्सों को लेकर किंवदंती बन चुकी हैं। समाज सेवी मदर टेरेसा ने सेवा और करुणा की मिसाल पेश की। उन्होंने समाज के गरीब, असहाय और बीमार लोगों की सेवा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। गोंडवाना की शासक रानी दुर्गावती ने मुगल सेना के विरुद्ध वीरतापूर्वक युद्ध लड़ा। उन्होंने अपने राज्य की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष किया और युद्धभूमि में आत्मबलिदान कर दिया। भारत की वीरांगनाएँ केवल अतीत की गाथाएँ नहीं हैं, बल्कि वे आज भी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वे हमें सिखाती हैं कि नारी शक्ति, साहस, त्याग और आत्मसम्मान का प्रतीक है। चाहे वह युद्ध का मैदान हो या समाज सेवा, भारतीय नारियाँ सदैव अग्रणी रही हैं और आगे भी रहेंगी।

दुनिया के हर देश में बच्चे और बुजुर्गों की देखभाल करने में मुख्य योगदान महिलाओं का सर्वाधिक होता हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि जब समाज की अर्थव्यवस्था और राजनीतिक व्यवस्था बदलती है, तो महिलाएँ परिवार को नई वास्तविकताओं और चुनौतियों के अनुकूल बनाने में अग्रणी भूमिका निभाती हैं।

"जब महिलाएं सशक्त होती हैं और अपने अधिकारों और भूमि, नेतृत्व, अवसरों और विकल्पों तक पहुंच का दावा कर सकती हैं, तो अर्थव्यवस्थाएं बढ़ती हैं, खाद्य सुरक्षा बढ़ती है और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए संभावनाएं बेहतर होती हैं।"

भारत के संबंध में कई बार वर्ल्ड बैंक ग्रुप आदि ने कहा है कि अगर यहाँ पर महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में वृद्धि की जाए तो भारत की विकास दर में तीव्र वृद्धि हो सकती है। गौरतलब है कि 1994 से 2012 के मध्य कई लाख भारतीय गरीबी रेखा से बाहर निकल चुके हैं। इन आँकड़ों में और बढ़ोतरी होती अगर कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में और इज़ाफ़ा होता। 2012 में सिर्फ 27% वयस्क भारतीय महिलाएँ विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत थीं। चिंता की बात यह है कि भारत के तीव्र शहरीकरण ने कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में कोई वृद्धि नहीं की है। आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार, 2022 के वैश्विक औसत 47.8% के मुकाबले भारत में महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर 37% है। हालाँकि यह वर्ष 2017-18 में 23.3% से बढ़ा है, लेकिन इसका 37.5% हिस्सा "घरेलू उद्यमों में अवैतनिक सहायक" के रूप में नियोजित है। इन महिलाओं को उनके द्वारा किए जाने वाले काम के लिए कोई भुगतान नहीं किया जाता है।

भारत ने व्यापक नीतियों, लक्षित योजनाओं और कानूनी ढांचों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में उल्लेखनीय प्रगति की है। आर्थिक भागीदारी से लेकर सुरक्षा, डिजिटल समावेशन से लेकर शिक्षा तक, सरकार की पहलों ने महिलाओं के जीवन में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक समावेशी, लैंगिक-समान समाज के निर्माण की प्रतिबद्धता की पुष्टि करना बहुत जरूरी है जहां महिलाएं राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में मुख्य भूमिका निभाती हैं। नीति-निर्माण, सामुदायिक जुड़ाव और डिजिटल समावेशन में निरंतर प्रयास यह सुनिश्चित करेंगे कि महिलाएं आने वाले वर्षों में भारत की विकास गाथा को आगे बढ़ाती रहें।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर है, वहाँ की महिलाओं की स्थिति। हमें महिलाओं को ऐसी स्थिति में पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए, जहाँ वे अपनी समस्याओं को अपने ढंग से ख़ुद सुलझा सकें। हमारी भूमिका महिलाओं की ज़िंदगी में उनका उद्धार करने वाले की न होकर उनका साथी बनने और सहयोगी की होनी चाहिए। क्योंकि भारत की महिला इतनी सक्षम है कि वे अपनी समस्याओं को ख़ुद सुलझा सकें। कमी अगर कहीं है तो बस इस बात की, हम एक समाज के तौर पर उनकी क़ाबलियत पर भरोसा करना सीखें। ऐसा करके ही हम भारत को उन्नति के रास्ते पर ले जा पाएंगे।

श्याम कुमार कोलारे
छिन्दवाड़ा, मध्यप्रदेश

गुरु गंभीर घंटाल का शिष्यत्व

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च 2025: सुबह सैर के बाद आकर चाय पी ही रहा था कि फोन बज उठा।

बिना किसी परिचय के उस ओर से दहाड़ती सी आवाज आई "आप क्या रहे हैं? आप गलत कर रहे हैं क्या आप जानते हैं?"

मैंने कहा "काफी दिनों से आदत है बस निभाये जा रहा हूं। मैं जानता हूं चाय पीना बुरी बात है।"

उधर से हूंकार भरी आवाज आई "मैं चाय के बारे में या सिगरेट के बारे में या शराब के बारे में नहीं बोल रहा हूं।" मैंने कहा "मुझे तो चाय के अलावा कोई दूसरी बुरी आदत नहीं है तो आप किस बारे में बात कर रहे हैं?"

उधर से फिर बड़ी गंभीर आवाज में उस शख्स ने कहा "आज का अखबार देखा है?" मैंने कहा "हां मालूम है महंगाई फिर बढ़ गई है। रुपए का अवमूल्यन हो गया है डॉलर की तुलना में। सेंसेक्स कई पॉइंट गिर गया है और प्रधानमंत्री ने कल सब के साथ मिलकर महिला दिवस मनाया।"

"मैं आप से हेडलाइंस नहीं पूछ रहा हूं भाई। आपका जो कॉलम है, जिसमें आपने हमारे भगवान को खरी खोटी बातें जो सुनाई हैं, मैं उसके बारे में बातें कर रहा हूं।"

मैंने कहा "मैं कभी किसी भी धर्म या भगवान या खुदा या यीशु के बारे में नहीं लिखा करता या खरी खोटी सुनाया नहीं करता। आपने शायद गलत नंबर पर फोन लगाया है। उधर से उस आदमी ने मेरे नाम की पुष्टि की और कहा आप तो वही है न जो एक व्यंग्य कॉलम लिखते हैं?"

मैंने कहा "हां तो" "आपने आज के कॉलम में क्या लिखा है?" मैंने बताया "व्यस्त बड़े भैया की बातें लिखी हैं और क्या लिखा है नो आराम सिर्फ काम।"

"जिसके करोड़ों भक्तहैं, लाखों अनुयाई हैं और सैकड़ो शिष्य हैं ऐसे लोकप्रिय विश्व गुरु के बारे में आपका यह कथन, यह व्यंग्य क्या शोभा देता है आपको? यह सब तुरंत बंद होना चाहिए।"

मैंने कहा "आपको शायद याद हो एक कहावत है चोर की दाढ़ी में तिनका। इसका मतलब है कि किसी को भी कुछ भी कहा जाए तो अपनी दाढ़ी में तिनका ढूंढने की जो कोशिश करते हैं आपकी तरह। यह इसका उदाहरण है आपके साथ संवाद। समर्पण के बारे में और उनकी वेशभूषा और दौड़ धूप के बारे में जो लिखा है उसमें गलत क्या है? यह तो सबको पता है कि वे दिन में अठारह घंटे काम करते हैं। यह भी पता है कि बहुत काम करते हैं चाहे विकास आधारित हो या ना हो, लोगों का कल्याण हो या ना हो। बस काम करना है जिस तरह एक गीत है मुसाफिर हूं यारों ना घर है ना ठिकाना मुझे चलते जाना है। इसी तरह काम करते जाना है।"

फिर मैने पूछा "इतना कुछ कह रहे हो आप, अपना नाम तो बताते जाएं।" आवाज आई " मेरा नाम गुरु गंभीर घंटाल और मैं अपने बड़े भैया का सबसे बड़ा चेला क्योंकि वे विश्व गुरु हैं।

"जब बात आ गई विश्व गुरु की तो मेरी बात सुन लें। विश्व गुरु की बात तब तक सही थी जब तक आप बाईडेन का पक्ष लेकर अपना काम करते रहे। जब से ट्रंप अमेरिका में आया है तब से विश्व गुरु का जो प्रभामंडल है उसमें भारी कमी आई है, धूमिल हुआ जा रहा है और पहली बार भारत का इस तरह से अपमान अमेरिका ने किया है कि कहते नहीं बनता। बार-बार विदेश यात्रा करने की बजाय यदि हम अपने युवाओं को, जो कि भारत की जनसंख्या का बहुत बड़ा प्रतिशत है, को रोजगार मुहैया कराते, महंगाई कम करते, जनकल्याण करते तो शायद कुछ ठीक ही होता। अमेरिका के अध्यक्ष ने हमारा आदर किया, हमारा सम्मान किया जैसे खोखले शब्दों से बिगड़ी परिस्थितियां कहां सीधी होने वाली? खोखले दंभों से जब तक हम नहीं बचेंगे, तब तक हम अपने आप को, अपने अस्तित्व को बचा पाने में समर्थ नहीं होंगे। यही में मेरा अपना विचार है। आपके विश्व गुरु आपको मुबारक हो आपका शिष्यत्व उनको मुबारक हो। मुझे बार-बार फोन करके परेशान ना करें। मुझे जो लिखना है मैं लिखूंगा। आपको जो होता है आप करते रहें" उधर से पांच सेकंड का मौन और उसके बाद उन्होंने कहा "मतलब तुम नहीं सुधरोगे? तुम मुझे नहीं जानते मुझे तुम्हारा पता, पता है और मैं आकर के तुमको बताऊंगा कि मैं क्या कर सकता हूं?" वह आप से तुम पर उतर आया था।

मैंने कहा "अब सुधरने की कोई संभावना नहीं है घंटाल जी, क्योंकि सुधरने की सीमाएं सारी पार करके आ चुका हूं। और उम्र भी नहीं रही सुधरने की। रही बात आपको मेरा पता पता है यह मुझे पता चला और मैं पता करता हूं कि आपका पता क्या है ताकि मुझे यह पता हो कि आपने जो कही है वह पते की बात है या नहीं?"

गुरु गंभीर घंटाल ने उधर फोन रख दिया और इधर मैं चाय की चुस्कियां लेने लगा।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

भारतीय समाज में मासिक धर्म अभी तक कलंकित क्यों?

भारत के पास मासिक धर्म स्वास्थ्य के प्रति अधिक समावेशी और दूरदर्शी दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हुए सांस्कृतिक विचारों का सम्मान करने का अवसर है। आपके क्या विचार हैं- क्या सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए, या जमीनी स्तर के संगठनों को बदलाव लाने में आगे आना चाहिए? मासिक धर्म से जुड़ा कलंक कई संस्कृतियों में मौजूद है, जो सांस्कृतिक वर्जनाओं, ग़लत सूचनाओं और प्रणालीगत लैंगिक असमानता से प्रेरित है। इसके परिणामस्वरूप गंभीर मुद्दे सामने आते हैं, जैसे मासिक धर्म उत्पादों तक सीमित पहुँच, अपर्याप्त शिक्षा और यहाँ तक कि कुछ समुदायों में सामाजिक बहिष्कार। इस कलंक को ख़त्म करने के लिए, हमें खुली चर्चाओं को प्रोत्साहित करने, मासिक धर्म के बारे में पूरी तरह से शिक्षा प्रदान करने और मासिक धर्म समानता को बढ़ावा देने वाले नीतिगत बदलावों को लागू करने की आवश्यकता है।

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च 2025: मासिक धर्म कई संस्कृतियों में एक वर्जित विषय बना हुआ है, जिसका मुख्य कारण लंबे समय से चली आ रही सांस्कृतिक मान्यताएँ, अपर्याप्त खुली बातचीत और लैंगिक असमानता है। इसके परिणामस्वरूप शर्म, गोपनीयता और मासिक धर्म स्वास्थ्य के बारे में आवश्यक संसाधनों और शिक्षा तक सीमित पहुँच की भावनाएँ पैदा होती हैं। भारत में, मासिक धर्म को अक्सर महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक वर्जनाओं से जोड़ा जाता है, जिससे बहिष्कार, ग़लत सूचना और प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव हो सकते हैं। हालाँकि प्रगतिशील नीतियाँ पेश की जा रही हैं, लेकिन सफल कार्यान्वयन के लिए इन्हें सांस्कृतिक संवेदनशीलताओं के साथ जोड़ना महत्त्वपूर्ण है।

महिलाओं को अक्सर मंदिरों, रसोई और सामाजिक समारोहों जैसी जगहों पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है, जो भेदभाव को बढ़ावा देता है। 2018 में सुप्रीम कोर्ट के सबरीमाला फैसले ने मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध को हटा दिया, लेकिन इसे सांस्कृतिक मान्यताओं में निहित काफ़ी विरोध का सामना करना पड़ा। मासिक धर्म के बारे में खुली चर्चा की कमी स्वास्थ्य मामलों में मिथकों और उपेक्षा को बढ़ावा देती है। ग्रामीण भारत में केवल 58% युवा लड़कियों को अपने पहले मासिक धर्म का अनुभव करने से पहले मासिक धर्म के बारे में जानती है। शौचालय, स्वच्छता उत्पादों और उचित निपटान विधियों तक अपर्याप्त पहुँच से भी जूझती हैं। जबकि 2014 में शुरू किए गए स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता में प्रगति की है, मासिक धर्म अपशिष्ट निपटान एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है। स्वच्छता उत्पादों की उच्च लागत कई लोगों को असुरक्षित विकल्पों का सहारा लेने के लिए मजबूर करती है। 2022 में शुरू की गई राजस्थान निःशुल्क सैनिटरी पैड योजना का उद्देश्य मासिक धर्म ग़रीबी से निपटने के लिए निःशुल्क पैड उपलब्ध कराना है। हालाँकि, राजनीतिक एजेंडों में मासिक धर्म स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जाती है, जो व्यापक सुधारों में बाधा डालता है। मासिक धर्म स्वच्छता नीति (ड्राफ्ट 2022) को अभी भी पूरे देश में पूरी तरह से लागू किया जाना बाक़ी है।

मासिक धर्म के बारे में जागरूकता को राज्य के पाठ्यक्रमों में शामिल करने से इस विषय पर बातचीत को सामान्य बनाने में मदद मिल सकती है। मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिशानिर्देश प्राथमिक विद्यालय स्तर से मासिक धर्म शिक्षा की वकालत करते हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और सामुदायिक नेताओं को प्रशिक्षित करके, हम अधिक स्वीकृति को बढ़ावा दे सकते हैं। मासिक धर्म स्वास्थ्य गठबंधन भारत (2020) जागरूकता बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर के संगठनों के साथ सहयोग करता है। सार्वजनिक हस्तियाँ और मीडिया सकारात्मक संदेश के माध्यम से कलंक का मुकाबला करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। "चुप्पी तोड़ो" अभियान (2021, यूनिसेफ इंडिया) ने जागरूकता फैलाने के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का प्रभावी ढंग से उपयोग किया। मासिक धर्म स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए, स्कूलों और कार्यस्थलों में निपटान विकल्पों के साथ अधिक लिंग-अनुकूल शौचालयों सहित (जल, स्वच्छता और स्वच्छता) सुविधाओं को सुनिश्चित करना आवश्यक है। मासिक धर्म उत्पादों पर सरकारी सब्सिडी और जीएसटी छूट से पहुँच में काफ़ी सुधार हो सकता है। 2018 में सैनिटरी पैड पर 12% जीएसटी हटाने से वे अधिक किफ़ायती हो गए। बायोडिग्रेडेबल पैड और मासिक धर्म कप को बढ़ावा देना पर्यावरण और सांस्कृतिक दोनों चिंताओं को सम्बोधित करता है। सखी सैनिटरी नैपकिन पहल (ओडिशा, 2021) बायोडिग्रेडेबल पैड के स्थानीय उत्पादन का समर्थन करती है।

मासिक धर्म स्वास्थ्य को स्वास्थ्य के अधिकार (अनुच्छेद 21) के तहत मान्यता दी जानी चाहिए और श्रम कानूनों में शामिल किया जाना चाहिए। मासिक धर्म लाभ विधेयक (2018, निजी सदस्य विधेयक) ने मासिक धर्म अवकाश का भुगतान करने का प्रस्ताव रखा, लेकिन इसे सरकारी समर्थन नहीं मिला। कंपनियों को मासिक धर्म अवकाश का भुगतान करना चाहिए और कार्यस्थल स्वच्छता सहायता सुनिश्चित करनी चाहिए। ज़ोमैटो ने 2020 में मासिक धर्म अवकाश की शुरुआत करके निजी क्षेत्र में एक मिसाल क़ायम की। सैनिटरी उत्पाद निर्माताओं के लिए विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी मानदंडों को लागू करने से कचरे में कमी लाने में मदद मिल सकती है। मासिक धर्म के बारे में बातचीत को बदलने के लिए स्थानीय नेताओं, बुजुर्गों और धार्मिक हस्तियों को शामिल करने वाली समुदाय-आधारित पहल विकसित करें। मासिक धर्म स्वास्थ्य के बारे में चर्चा को और अधिक सामान्य बनाने के लिए शैक्षिक सेटिंग्स और मीडिया में सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त संदेश का उपयोग करें। अधिक समावेशी संवाद बनाने के लिए जागरूकता प्रयासों में पुरुषों और लड़कों को शामिल करें। सैनिटरी उत्पादों पर करों को समाप्त करके और यह सुनिश्चित करके मासिक धर्म स्वास्थ्य नीतियों को बढ़ावा दें कि वे स्कूलों, कार्यस्थलों और ग्रामीण समुदायों में आसानी से उपलब्ध हों। कार्यस्थल की नीतियों को लागू करें जो मासिक धर्म वाले व्यक्तियों को समायोजित करती हैं, जैसे कि मासिक धर्म अवकाश और स्वच्छ शौचालय तक पहुँच प्रदान करना। सांस्कृतिक मूल्यों का सम्मान करने वाले तरीके से स्कूली कार्यक्रमों में मासिक धर्म शिक्षा को शामिल करें। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम जैसे सरकारी प्रयासों को व्यापक बनाएँ, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में मुफ्त या रियायती सैनिटरी पैड प्रदान करें। पर्यावरण और वित्तीय पहलुओं पर विचार करते हुए, पुन: प्रयोज्य कपड़े के पैड और मासिक धर्म कप जैसे टिकाऊ और लागत प्रभावी मासिक धर्म उत्पादों के उपयोग की वकालत करें। हानिकारक मासिक धर्म मिथकों को दूर करने के लिए बॉलीवुड, सोशल मीडिया प्रभावितों और टेलीविजन शो का उपयोग करें। पैडमैन जैसी फ़िल्मों ने महत्त्वपूर्ण चर्चाओं को जन्म दिया है- इस तरह की और पहल आवश्यक हैं। सांस्कृतिक संदर्भों में सकारात्मक मासिक धर्म संदेशों को बुनने के लिए स्थानीय कहानी और पारंपरिक आख्यानों को प्रोत्साहित करें। मासिक धर्म स्वास्थ्य पर सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील सलाह देने के लिए स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षण प्रदान करें। मासिक धर्म सम्बंधी विकारों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर उनके प्रभावों पर शोध का समर्थन करें, यह सुनिश्चित करते हुए कि स्वास्थ्य सेवा नीतियाँ इन मुद्दों को सम्बोधित करती हैं।

मासिक धर्म स्वास्थ्य को एक मौलिक मानव अधिकार और एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए, न कि एक कलंक। एक व्यापक रणनीति जो शिक्षा, बुनियादी ढांचे में सुधार और कानूनी सुधारों को जोड़ती है, वह गरिमा और समानता को बढ़ावा दे सकती है, जिससे मासिक धर्म महिलाओं के स्वास्थ्य का एक मान्यता प्राप्त और समर्थित पहलू बन सकता है।

प्रियंका सौरभ

रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस, कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, उब्बा भवन, आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

प्रदेश के 65 हजार स्कूलों को समग्र शिक्षा का बजट जारी नहीं होने पर जताई नाराजगी

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (शिवगंज): प्रदेश के 65 हजार स्कूलों को अब तक समग्र शिक्षा का बजट जारी नही होने पर राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने राज्य के मुख्यमंत्री, आयुक्त एवं राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा अभियान जयपुर, अतिरिक्त निदेशक वरिष्ठ परियोजना व शिक्षा निदेशक मा. शि. बीकानेर को ज्ञापन भेजकर अविलम्ब बजट जारी करने की मांग की।

संगठन के गुरुदीन वर्मा के अनुसार संघ (प्रगतिशील) के प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने बताया है कि वित्तीय वर्ष के अन्तिम माह मार्च को समाप्त होने में मात्र 10 से 15 दिन शेष रहे है लेकिन बडे खेद के साथ लिखना पड़ रहा है कि प्रदेश की 65 हजार सरकारी स्कूल बजट के किए तरस रही है क्योंकि बजट के अभाव में मूलभूत सुविधाएं जैसे-पानी बिजली बिल, टुट-फुट, टॉयलट सफाई के लिए लगभग 50 हजार से एक लाख रूपये आने थे लेकिन पीईईओ स्कूलों को 80 हजार रूपये

कम्प्यूटर व फर्निचर खरीद, टी एल एम गतिविधियों, कंटिजेन्सी आदि के लिए तथा खेल सामग्री खरीदने के लिए करीब 25 हजार रूपये की राशि मिलती थी। जिन्हें वर्षभर में खर्च होना होता है लेकिन इस बार वितीय वर्ष समाप्त होने में कुछ ही दिन शेष रहे है ऐसे सम्भावना यह भी व्यक्त की जा रही है कि और विलम्ब हुआ तो बजट लैप्स होने से स्कूलो की स्थिति खराब हो जायेगी।

अब बजट कब जारी होगा और कब खर्च होगा की स्थिति बन रही है। शायद इस महिने में एस एन ए की साईट भी नही चलती है।

इस बार तो वार्षिक उत्सव व कैरियर मेले का आयोजन भी बीना बजट के संस्थाप्रधान ने उधार लेकर के करवा लिया। लेकिन बजट को लेकर के शिक्षक एवं संस्था प्रधानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गहलोत ने समग्र शिक्षा अभियान से 65 हजार सरकारी स्कूलों को अविलम्ब बजट जारी करके चरमरा रही व्यवस्था को बहाल किये जाने की आवश्यकता जताई।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री अपने दिल्ली आवास पर जनता की समस्या सुने

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (नई दिल्ली): बिहार दौरा करके और कई होली मिलन समारोह में शामिल होकर संसद सत्र में भाग लेने राजधानी दिल्ली पहुंचे केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने आज दिल्ली स्थित आवास पर विभिन्न राज्यों व क्षेत्र से आई जनता की समस्याओं को सुना व संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने निर्देश दिया, आवास पर बिहार समेत अन्य हिन्दी भाषी प्रदेशों और दक्षिण राज्यों से जनता मंत्री जी के आवास पर आकर अपनी समस्याओं को बताते है और मंत्री महोदय स्वयं उन समस्याओं का संज्ञान लेते हुए समाधान करने की निर्देश देते है,

होलिका दहन 13 को तो 15 को मनेगी होली

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: सनातन धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक रंगों का त्योहार होली इस वर्ष 15 मार्च को मनाया जाएगा।पीरपैंती प्रखंड के गोराडीह निवासी कर्मकांड व ज्योतिष के प्रकांड विद्वान अमरेन्द्र कुमार ओझा उर्फ पप्पू बाबा के अनुसार होलिका -दहन 13 मार्च गुरुवार को रात्रि 10: 37 के बाद होगा तथा होली का उत्सव 15 मार्च शनिवार को मनाया जाएगा।वहीं

उन्होंने बताया कि होलिका-दहन फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि में सूर्यास्त के बाद रात्रि काल में करने का विधान है।चूँकि इस बार गुरुवार को पूर्णिमा का प्रवेश दिन में 10:02 मिनट में हो रहा है और साथ ही उस समय भद्रा भी प्रविष्ट हो रही है जो कि रात्रि 10:37 मिनट तक रहेगी। 14 मार्च शुक्रवार को पूर्णिमा दिन में 11:11 मिनट तक है,होली का उत्सव उदय-व्यापिनी चैत्रकृष्ण प्रतिपदा तिथि को मनाने का विधान है, जो 15 मार्च शनिवार को सभी प्रमुख पंचांगों में प्राप्त है। इसलिए इस बार गुरुवार को होलिका-दहन के एक दिन बाद शनिवार को सर्वत्र होली मनाई जाएगी।

रेलवे लाइन के समीप अज्ञात महिला की मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: थाना क्षेत्र के रेलवे लाइन के पास पुलिस को एक अज्ञात महिला का शव रेल से कटकर पड़ी होने की सूचना प्राप्त हुई। एसडीपीओ 2 डॉ अर्जुन कुमार गुप्ता ने बताया कि सूचना के सत्यापन के लिए जब पुलिस वहां पहुंची, तो वहां एक महिला की लाश पड़ी हुई थी। एफएसएल टीम को बुलाया गया और आगे की कार्रवाई की गई तथा लाश को पोस्टमार्टम हेतु भागलपुर भेज दिया गया। महिला की पहचान नहीं हो पाई, परंतु रेलवे केबिन मैन शिवनाथ ने यह पहचान की कि यह महिला पिछले ५-६ दिनों से रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र में घूम कर भीख मांग कर खाया करती थी। मृतक महिला की उम्र लगभग ४० से ४५ वर्ष है।

महिला के पास एक झोला भी पाया गया है, जिसमें काफी सड़ा गला कपड़ा वगैरह है। महिला को भीख मांगते हुए घूमने की पुष्टि अन्य लोगों के द्वारा भी की जा रही है।

जितनी भी पूर्णिमा हैं, ये याद दिलाती हैं कि अब तुम्हारी जीने की एक महीना उम्र खत्म हो गयी- बाबा उमाकान्त जी महाराज

सभी महीनों की आध्यात्मिक विशेषताएं होती हैं

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (उज्जैन): परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने कहा कि जिस तरह से चार ऋतु होती हैं- ठंडी, गर्मी, बरसात और बसंती ऋतु, इसी तरह से महीने हैं- चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, सावन(श्रावण), भाद्रपद, कुंवार (अश्विन), कार्तिक, अगहन (मार्गशीर्ष), पौष, माघ और फाल्गुन। अब इन महीनों का अलग-अलग महत्व है। और इन महीनों की अलग अलग पूर्णिमा का महत्व है। इनमें भी प्रमुख रूप से कुछ पूर्णिमा ऐसी हैं जैसे आषाढ़ पूर्णिमा (गुरु पूर्णिमा), रक्षाबंधन (राखी पूर्णिमा), शरद पूर्णिमा, कार्तिक पूर्णिमा और फागुन की पूर्णिमा, जिसमें होली आती है, जिनके बारे में लोगों को ज्यादा जानकारी रहती है, इनको त्यौहार के रूप में मनाया जाता है।

सभी महीनों की आध्यात्मिक विशेषताएं होती हैं

आध्यात्मिक दृष्टिकोण से, ये जितनी भी पूर्णिमा हैं, ये याद दिलाती हैं कि अब एक महीना उम्र तुम्हारी जीने की खत्म हो गयी। और सभी महीनों की आध्यात्मिक

विशेषताएं होती हैं - 'आषाढ़' में आशा लेकर के जीव पैदा होता है कि बड़े होंगे और समरथ गुरु की तलाश करेंगे। फिर रास्ता लेकर के भजन करेंगे, अपनी आत्मा को अपने वतन पहुंचा देंगे। 'सावन' मतलब सा बन, यानी जैसे थे वैसे बन जाएंगे। जैसी यह जीवात्मा निर्मल थी और कोई इसके ऊपर आवरण नहीं था, उसी तरह से हम बन जाएंगे यह वादा किया था। 'भादो' महीने में कालीमा ही कालीमा रहती है। तो महात्मा यह याद दिलाते हैं कि तुम प्रभु जैसा बनने की बजाय अंधेरे में न फंस कर रह जाओ। 'कुंवार' मतलब सुरत को कुंवारी मत रखो,

इसकी सगाई समरथ गुरु के साथ करा दो जो लोक और परलोक दोनों बनाते हैं। 'कार्तिक' मतलब काया में ताको। मौजूदा संत महापुरुष की खोज कर, साधना कर, अंतर में उजाला कर त्यौहार को मनाओ। 'अगहन' मतलब जब अंतर में प्रभु का दर्शन होता है तो अग (पाप रूपी आग) का नाश होता है। 'पौष' मतलब भ्रम के भूत का नाश करना। 'फागुन' का मतलब कि वह गुण आ जाता है कि फिर उसको कोई रोक नहीं सकता है (प्रभु के पास पहुँचने से)। 'चैत्र' महीना चेताने की लिए आता है कि मां के पेट में किए वादे को याद करो और उस प्रभु को याद करने लग जाओ। 'बैसाख' का मतलब है कि यदि समय पर नहीं चेते तो बे शाख हो जाओगे। बिना शाख वाला आदमी यानी जिसकी कोई कीमत नहीं रह जाती है। और 'ज्येष्ठ' मतलब इस जीवात्मा को आप ज्येष्ठ बना दो, श्रेष्ठ बना दो, प्रभु के पास पहुंचा दो।

शशि दादा की स्मृति में श्रद्धांजली सभा का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (दिल्ली): प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था हिन्दी की गूंज द्वारा पद्मश्री डॉ.श्याम शशि जी की स्मृति में श्रध्दांजली सभा का आन लाइन आयोजन किया। जिसमें देशभर से कवियों, लेखकों और पत्रकारों ने अपने शोक संदेश प्रस्तुत किए। संस्था अध्यक्ष नरेंद्र सिंह "नीहार" ने संचालन के दौरान बहुत सी यादों को साझा किया।

स्व.डॉ.श्याम सिंह शशि जी के परिवार से उनकी धर्मपत्नी श्रीमती लीलावती, पुत्रवधू डॉ.ममता सिंह और पुत्र अनिल सिंह कार्यक्रम में शामिल हुए। शशि दादा की दिनचर्या और उनकी उपलब्धियों की चर्चा की।

डॉ.ममता सिंह ने बताया कि लोगों से मिलना-जुलना और उनका समुचित मार्गदर्शन करना उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता थी। लगभग 500

पुस्तकों का रचना कर्म उनके स्वाध्यायी और कर्मशील जीवन का साक्षात प्रमाण हैं।

श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में निर्मला जोशी, प्रमोद चौहान, दीपक मित्तल, विमला रस्तोगी, डॉ. पूर्णिमा उमेश, ज्योति शर्मा, रोचिका अरुण शर्मा, लता विनोद नोवाल, डॉ. वर्षा सिंह, शशि प्रकाश, लौह कुमार, रामकुमार पांडेय, भावना अरोड़ा मिलन, तरुणा पुंडीर तरुनिल, खेमेन्द्र सिंह, डॉ.संजय कुमार सिंह आदि पटल पर उपस्थित रहे।

संस्था की मीडिया प्रभारी डॉ.ममता श्रीवास्तव ने दादा से जुड़े संस्मरणों को सुनाया और संदेशों का वाचन किया। हिन्दी की गूंज संस्था के संरक्षक गिरीश चंद्र जोशी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने शशि दादा के निधन को हिन्दी साहित्य और हिन्दी की गूंज परिवार की बहुत बड़ी क्षति बताया। इस अवसर पर जोशी जी ने शशि दादा की पंक्तियां उद्धृत करते हुए कहा- लोग दो अक्षर लिखते हैं और उम्र भर गाते हैं। हम पोथियां लिखते हैं और एक उम्र दे जाते हैं।

17वां श्याम महोत्सव पर निकाली गई, निशान शोभा यात्रा

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के बाराहाट ईशीपुर में श्रीश्याम भक्त मंडल के द्वारा 17 वां श्याम महोत्सव ज्योत और जागरण को लेकर सोमवार को खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु की झाँकी और जयघोष के बीच निशान यात्रा निकाली गई।

इस दौरान श्याम भक्तों ने बाजार के विभिन्न मार्गों पर घूम-घूम कर अबीर गुलाल उड़ाए और जयघोष किया। संध्या पर्यन्त स्थानीय केजरीवाल धर्मशाला में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भजनों पर सभी भक्तगण भक्ति भाव में झूमते रहे। फाल्गुन शुक्ल एकादशी को निशान यात्रा के उपरान्त धर्मशाला परिसर में श्याम प्रभु का पुष्पों से भव्य श्रृंगार किया गया व पंडित गोपाल जी शुक्ला की देखरेख में छप्पन भोग और सवामणी भोग चढ़ाया गया। रात्रि में झारखण्ड और पश्चिम बंगाल से पहुंचे नामचीन कलाकारों ने पूरी रात भजन एवं झांकी प्रस्तुति से माहौल को भक्तिमय बनाए रखा।

इस दौरान समाजसेवी परमानंद केजरीवाल, कन्हैया परशुरामका, गोविंद चनानी, राजेश केजरीवाल, प्रदीप अग्रवाल, सुभाष लाट, विनय माडेवाला, मुन्ना परशुरामका, मनीषा केजरीवाल, सविता लाट, मेघा अग्रवाल, आरती केजरीवाल, दीपा अग्रवाल, पायल, पूनम, मुखिया लालमणि साह, भाजपा नेता अमरजीत भारती, प्रकाश शुक्ला, मुकुंद प्राण दास, सुजय केशव दास, सुवल नितांय दास, मोहन श्याम दास सहित अन्य धर्मपरायण लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

वरिष्ठ साहित्यकार संतोष श्रीवास्तव को मिला वागीश्वरी शिखर साहित्य सम्मान

डॉ. शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (नई दिल्ली): बीपीए फाउंडेशन एवं इंडिया नेटबुक्स के तत्वावधान में आयोजित समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार संतोष श्रीवास्तव भोपाल को वागीश्वरी शिखर साहित्य सम्मान (लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड) से सम्मानित किया गया। राजधानी के मयूर विहार स्थित होटल क्राउन प्लाजा में आयोजित सम्मान समारोह में ख्यातिनाम साहित्यकार चित्रा मुदगल ने संतोष

श्रीवास्तव को साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए वागीश्वरी शिखर साहित्य सम्मान (लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड) से सम्मानित किया। सम्मान स्वरूप मानधन, शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार ममता कालिया सहित देश विदेश से पधारे नामचीन साहित्यकारों की उपस्थिति रही।

बाबा हरिहर नाथ सोनपुर में रंग, जैसे होली गीतो पर झूमे लोग

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (सरैया): मुजफ्फरपुर जिले के सरैया प्रखण्ड स्थित अपने पारंपरिक कला एवं संस्कृति को संयोजित करने को कृतसंकल्पित संस्थान नारायण सेवा स्थली द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय क्षेत्र के कलाकारों खासकर युवाओं ने इस समारोह में बढ़- चढ़ कर हिस्सा लिया। एक से बढ़कर एक होली के पारंपरिक गीतों ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत अन्नू कुमारी ने गणेश वंदना से किया।

कार्यक्रम में अनमोल कुमार के गीत ने पनिया लाले लाल ये गौरा हमरो के चाही पर खूब तालियां बटोरी वहीं सौम्या ने अपनी सुरीली आवाज से समां बांध दिया। हारमोनियम पर अशोक कुमार

तबले पर विद्यानंद शारदा एवं ढ़ोलक पर नीरज कुमार ने संगत किया। संस्था के सचिव रूपक कुमार ने उपस्थि सभी कलाकारों एवं श्रोताओं को पूरी निष्ठा से स्वागत एवं अभिनंदन किया। अल्पाहार के बाद युवाओं को अपने पारंपरिक कला को बचाने हेतु प्रोत्साहित किया।

बच्चा बाबू, कुमोद कुमार, कृष्णा कुमार, साक्षी कुमारी, राज, मुमताज, रितिक, सपना, निशांत गुड्डू कुमार, मुन्ना कुमार एवं अन्य कलाकारों ने अपनी-अपनी प्रस्तुति दी।

विधायक गोपाल शर्मा ने किया सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा का लोकार्पण

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (जयपुर): सावित्रीबाई फुले की 128वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने प्रतिमा का लोकार्पण किया। यह 6 फीट ऊंची प्रतिमा स्वेज फार्म स्थित सावित्रीबाई फुले सर्किल में 6 फीट ऊंचे प्लेटफॉर्म पर स्थापित की गई।

कार्यक्रम संयोजक सिविल राइट्स सोसायटी के प्रदेशाध्यक्ष मनफूल सैनी ने बताया कि विधायक गोपाल शर्मा के प्रयास से यह कार्य संभव हो पाया है। प्रतिमा की स्थापना से माली-सैनी समाज की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि 18वीं शताब्दी की महान समाजसुधारक, महिला शिक्षा की अलख जगाने वाली सावित्री बाई फुले महिला सशक्तीकरण की प्रबल पैरोकार थी। उनकी प्रतिमा का लोकार्पण सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक समरसता का अद्वितीय प्रतीक है। लंबी प्रतीक्षा के बाद प्रतिमा स्थापित होने से समाज के प्रत्येक वर्ग में खुशी की लहरें हिलोरें ले रही हैं।

विधायक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व वाली भाजपा सरकार समाज में समरसता, सौहार्द और सकारात्मकता बढ़ाने के सर्वोच्च ध्येय के साथ काम कर रही है। भारतीय संस्कृति की सर्वसमावेशी सोच हमारी प्रेरणा है। राष्ट्र का गौरव बढ़ाने वाले महान पूजनीय व्यक्तित्वों के सम्मान को अक्षुण्ण रखने के लिए हम सब प्रतिबद्ध और एकजुट हैं। विधायक शर्मा

ने स्वेज फार्म सर्किल की सार-संभाल की जिम्मेदारी उठा रही सिविल राइट्स सोसायटी और माली-सैनी समाज का भी आभार व्यक्त किया।

इस दौरान बड़ी संख्या में माली-सैनी समाज के प्रबुद्धजन, शिक्षाविद्, स्थानीय निवासी और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनके आलावा एमजेआरपी यूनिवर्सिटी के चेयरमैन निर्मल पंवार, सिविल राइट्स सोसायटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद शर्मा, महासचिव दिनेश चौधरी, उपाध्यक्ष महेश गुप्ता, उपाध्यक्ष बीएल जाटव, उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र सैनी, सचिव रमेश चंद्र गुप्ता, एडवोकेट ग्यारसी लाल सैनी, विधि सलाहकार एडवोकेट सुरेश चंद सैनी, जिला माली सैनी समाज के अध्यक्ष रोशन सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता दुर्गा लाल सैनी, भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य पवन सैनी, सैनी समाज कर्मचारी अधिकारी विकास संस्था राजस्थान के अध्यक्ष सुरेश सैनी, राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा जयपुर के कोषाध्यक्ष बहादुरमल सैनी, ओम राजोरिया, संजय सैनी, बीएल सैनी, बीएल सैनी मंडावा, सेनि. एसई डीपी सैनी, पूर्व पार्षद भंवर लाल सैनी, पूर्व पार्षद रतन खटोलिया, डॉ नेमीचंद पंवार, शीला सैनी, कंचन टॉक, इंदू सैनी, विद्या सैनी, विजया सैनी, सुरेंद्र सैनी, महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान के अध्यक्ष अनुभव चंदेल, महासचिव पूनम कच्छावा, उपाध्यक्ष हनुमान सैनी, पार्षद रवि प्रकाश सैनी, कजोड़मल सैनी, गुलाब सैनी, कल्याण सहाय, लाली देवी, चंद्रकांता सैनी, नाथूराम सैन, केएल भाटी, सुनेश सैनी आदि उपस्थित रहे।

महिलाएं समाज की आधारशिला महापौर कुसुम यादव

डॉ.शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (नई दिल्ली): महिलाएं समाज की आधारशिला हैं। हमें उनके अधिकारों, सम्मान और स्वावलंबन के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। यह विचार जयपुर की महापौर कुसुम यादव ने एंप्रेस क्लब और नारायणा अस्पताल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

विशिष्ट अतिथि मिसेज इंडिया पेजेंट विजेता श्वेता मेहता मोदी ने कहा हर महिला में अद्भुत क्षमता होती है, जरूरत है तो बस आत्मविश्वास और

सही मार्गदर्शन की।इस अवसर पर महिलाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के विषयों पर भी चर्चा की गई।

नारायणा अस्पताल के फैसिलिटी मैनेजर बलविंदर सिंह ने महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया, जिसमें कई महिलाओं ने लाभ उठाया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, प्रेरक कहानियां और विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को सम्मानित किया गया और सभी उपस्थित महिलाओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

एंप्रेस क्लब की अध्यक्षा खुशबू शर्मा और उपाध्यक्ष नीता अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य में भी महिलाओं के हित में इस प्रकार के आयोजन करने का संकल्प व्यक्त किया।

ज्ञान बाँटने की वृत्ति देती है विकास को गति

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च 2025: एक घटना प्रसंग मुझे दिवंगत शासन श्री मुनि श्री पृथ्वीराज जी स्वामी (श्री डुंगरगढ़) कहते थे कि प्रदीप तुझे नई पीढ़ी व समाज में सदैव सब जगह रहना है। तेरे ज्ञान को तुझे सबके पास रखना है। मुनिवर तो अभी नहीं रहे लेकिन उनके द्वारा दी हुई सभी शिक्षा को मैं आज भी सदैव अपने जीवन में उतारने का प्रयासरत हूँ। हम देखते है कि जो अपने ज्ञान को बांटने में व्यर्थ कंजूसी करता है, वह अपने ज्ञान के अर्जित भंडार को अपने साथ में लेकर ही मरता है। अतः ज्ञान सदा बांटना सीखो क्योंकि यह बांटने से ही बढ़ता है, और इसे खुले हाथो से बांटने वाला ज्ञान वृद्धि के नए शिखर पर चढ़ता है। मानव की सभ्यता के विकास के पीछे सबसे बड़ा हेतु मानव की पारस्परिक ज्ञान बाँटने की वृत्ति है। आज के असीम तकनीकी युग में आदिम युग से अभी तक इसी वृत्ति ने सभ्यता में वृद्धि की है और आज भी अनवरत आगे से आगे यह प्रगति जारी है। सरस्वती यानी ज्ञान के भंडार की एक विशेषता है कि इसे जितना साझा किया जाए यह उतना ही बढ़ता है। हमारे द्वारा यदि ज्ञान/जानकारी आदि साझा न की जाए तो यह निरंतर घटती रहेगी। हम और गहराई में जाएँ तो इस ज्ञान बाँटने की वृत्ति के पीछे प्रेरक शक्ति मृत्यु के शाश्वत सत्यता का भान है। वह जन्म के साथ मृत्यु अवश्यंभावी का ज्ञान है। हम कोई भी विशिष्टता को प्राप्त करते हैं तो उसमें भी कोई न कोई माध्यम बनता है तभी हम उसे पाते है। ज्ञान बांटने से हमारा ज्ञान भी बढ़ता है और साथ में सामने से बहुत लोग उससे लाभान्वित हो सकते है। ये एक सेवा है, मानव धर्म है, ज्ञान दान आदि है जो हमने पाया है वो भी किसी की देन है। हम आगे से आगे इसे वितरित करते हुए परम् आनंद और सुख पाने और देने का प्रयास करें। वह सभी के ज्ञान का विकास हो सबमें शक्तियों का जागरण हो ये भाव हमें सही से परम्परा तक पहुंचाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। अतः हम ईर्ष्या जलन आदि से उपरत होकर अपना कर्तव्य निभाएं। हमको एक दिन तो चले ही जाना है, इस शाश्वत सत्य ने ही मानव में आगे से आगे की पीढ़ी को ज्ञान बाँटने की वृत्ति जगाई है और हम अनवरत, अनथक प्रगति की ओर गति कर रहे हैं।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड

आखिर में दिया बुझ जाएगा

आरम्भ किसी चीज़ का हुआ है
उसका अंत भी अवश्य आएगा
ऊंचाईयों पर कोई कब तक ठहरेगा
एक न एक दिन तो नीचे भी आएगा

जवान कोई हमेशा रहेगा नहीं
एक दिन सबको बुढ़ापा आएगा
याददाश्त हो जाएगी कमज़ोर
चलने फिरने में लाचार हो जाएगा

बच्चे हो जाएंगे बड़े और समझदार
बुज़ुर्गों को कोई पास नहीं बिठायेगा
अपनी भी जब वैसी अवस्था आएगी
पछतायेगा पर समय फिर हाथ नहीं आएगा

चल नहीं पायेगा हमेशा
एक दिन चलते चलते रूक जाएगा
धीमी पड़ने लगेगी लौ टिमटिमायेगा
आखिर में दिया बुझ जाएगा

रवीन्द्र कुमार शर्मा
बिलासपुर हि प्र
कोलफील्ड मिरर

जबकि मैंने तो-----

जबकि मैंने तो-----,
यह संसार रचा है तुम्हारे लिए,
एक विधाता की तरह,
भविष्य देखने के लिए,
अपने सपनों में तुम्हें संजोया,
सँवारी है तुम्हारी तस्वीर,
जमी गर्द को साफ करके,
और चमकाया है तुमको,
एक शीशे की तरही,
फिर भी लोग ऐसा क्यों कहते हैं?

जबकि मैंने तो-----,
सौंप दिया है अपना सब कुछ,
तुमको ही बिना शक किये,
अपने पसीने से कमाई हुई,
मैंने अपनी सारी दौलत,
अपने ईमान से पाई हुई,
मैंने अपनी सारी शौहरत,
और मेरे मन में बसी मोहब्बत,
तुमको खुश करने के लिए,
फिर भी लोग ऐसा क्यों कहते हैं ?

जबकि मैंने तो-----,
कभी भी नहीं की है,
तुम्हारी बुराई किसी से,
भगवान से की है प्रार्थना,
तुम्हारी लम्बी उम्र के लिए,
मंदिर में झुकाया है सिर मैंने,
तुम्हारी जिंदगी की सलामती के लिए,
ताकि तुम्हें कल कोई कष्ट नहीं हो,
माना है तुमको अपना ही,
तुमको पराया कभी नहीं,
फिर भी लोग ऐसा क्यों कहते हैं ?
जबकि मैंने तो-----.

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

वक्ता मंच छ.ग. द्वारा संजय वर्मा दृष्टि सम्मानित

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च 2025: वक्ता मंच (रायपुर) छ. ग. प्रदेश की सामाजिक-साहित्यिक-सांस्कृतिक काव्य लेखन स्पर्धा में पर्यावरण संरक्षण विषय पर हिंदी भाषा में उत्कृष्ट रचना हेतु मनावर जिला धार मप्र के संजय वर्मा "दृष्टि" को मंच के राजेश पराते अध्यक्ष, मनीष अवस्थी सचिव, शुभम साहू संयोजक के द्वारा सम्मान पत्र एवं विशेष रूप से अभिनन्दन कर लेखन के क्षेत्र में सफलता के लिए नए आयामों का स्पर्श हेतु शुभकामना प्रदान की। संजय वर्मा "दृष्टि" की-देश-विदेश की पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होती है। अब तक 642 सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। इनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड में तीन बार अलग-अलग विधा में दर्ज है। स्टार बुक ऑफ रिकार्ड में नाम दर्ज है।

प्रियवर तुम हो अति विशेष

न जाने वह यह सब
कर लेती थी कैसे?
तंगी भरे दिनों में भी
रख कंधे पर हाथ
निकाल देती थी पैसे।

देखता रहता अपपलक
शांत सौम्य थोड़ी कड़क,
पल्लू को खोंस कमर में
देखती जाती दूर तलक।

चँद दिनों में ही कैसे
गह लिया मुझको ऐसे
कैसे कर लेती हो तुम सखे
जैसे धमनी में रक्त बहे।

इतना समर्पण ऐसा अर्पण
सीमित संसाधनों मे भी
गृहस्थ का पूरा संचालन
अरु संचित भी कर लेती धन?

दौड़ा फिर रसोई घर
थी वो पसीने से तर बतर,
चूमा उसके मस्तक को
उसने लिया बाँहों में भर,
फिर फफक फफक कर,
गोद में उसके सर रखकर
मन हुआ हल्का ताजा तरीन
निकला जैसे इंद्रधनुष रंगीन
ऐसा संचालन, ऐसा निवेश
हर महिला होती अति विशेष।
हर महिला होती अति विशेष।

सविता सिंह मीरा
जमशेदपुर
कोलफील्ड मिरर

सड़कों पर अनियंत्रित यातायात परिणाम दुर्घटनायें

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च 2025: लगभग सभी देशों में यातायात से होने वाली दुर्घटनाएं सबसे ज्यादा होती है। इनका अनुपात विकासशील एवं विकसित देशों में लगभग एक सा होता है। जहां तक भारत का सवाल है भारत में सड़क यातायात का अनुपात बहुत ज्यादा है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं निम्न कारणों से ज्यादा होती हैं: • सड़कों पर अनियंत्रित यातायात का होना। • यातायात के नियमों का पालन न करना। • सड़कों पर दुपहिया गाड़ियां ज्यादा होना। • सभी प्रकार की गाड़ियों (दुपहिया, चारपहिया) का साथ-साथ एक ही सड़क पर चलना। बड़ी संख्या में पुरानी, खराब गाड़ी का सड़क पर चलना। • सड़कों पर आवारा पशुओं का जमघट वाहनों के लिए सभी को लायसेंस दे देना। • खराब सड़कें होना, सड़कों पर प्रकाश की व्यवस्था न होना। • यातायात के संकेतों कान होना। ज्यादातर दुर्घटनाएं उन स्थानों पर ज्यादा होती हैं, जहां मनुष्य के लिए नया स्थान होता है। दुर्घटनाएं ज्यादातर 15-35 साल की उम्र में ज्यादा होती हैं, क्योंकि युवावस्था में वाहन चलाना उत्साहवर्धक रहता है, अतः युवावस्था से जुड़े कारण जैसे अत्यधिक तीव्र गति से वाहन चलाना। पर्याप्त अनुभव की कमी होना। आत्मविश्वास की अधिकता। गलत निर्णय लेना। • मानसिक असंतुलन, क्रोधित होना। समय-समय पर उन्माद में आना। संभावना होती है। दुर्घटना से बचने के लिए आत्मरक्षा अत्यंत आवश्यक है। अतः यदि आत्मरक्षा के साधन जैसे हेलमेट, सीट बेल्ट नहीं बांधे जाते हैं तब दुर्घटनाएं होने की ज्यादा सड़क दुर्घटनाओं के लिए उत्तेजित करने वाले कारण अत्यंत योगदान देते हैं जैसे नशायुक्त पदार्थ का सेवन कर वाहन चलाना • एल्कोहल, गांजा, भांग आदि। यह कारण दुर्घटनाओं के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं। • अत्यधिक भावुकता में वाहन चलाना भी दुर्घटना का कारण बनता है। • सुरक्षा से संबंधित जानकारी लोगों को देना अत्यंत जरूरी है, लोगों को दुर्घटना से बचने के उपायों के बारे में शिक्षित करना चाहिए। समय-समय पर शिक्षासंचार जानकारी के माध्यम से लोगों तक दुर्घटनाएं रोकने एवं दुर्घटना हो जाने पर जान बचाने के उपायों की जानकारी देना चाहिए। जैसे • सड़कों के किनारों पर बड़े-बड़े होर्डिंग लगाना, जिसमें दुर्घटना से बचने की जानकारी हो। • टीवी रेडियो में दुर्घटना से बचने हेतु छोटी-छोटी कहानियों के माध्यम से जानकारी देना। यह अत्यंत जरूरी है, केवल हेलमेट को लगाकर दो पहिया वाहन चलाने से हम बच सकते हैं। 30-35 प्रतिशत तक मृत्युको केवल हेलमेट लगाने से दूर किया जा सकता है। यह सुरक्षात्मक उपकरण है। दो पहिया वाहनों के लिए हेलमेट एवं चारपहिया वाहनों के लिए सीटका पट्टा। बच्चे (किशोर) जबदो पहिया वाहन चलाना सीख जाते हैं तब वह शौक-शौक में ज्यादा गाड़ी चलाते हैं और तेजी से भी चलाने लगते हैं, जिससे दुर्घटनाएं होने की संभावना बढ़ जाती है। अतः 18 साल से कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने पर पूर्णतः रोक लगानी चाहिए। यदि यातायात संबंधी कानून हम तैयार करें और उनका सख्ती से पालन करें तो दुर्घटना से बचा जा सकता है।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद
हरदा मध्यप्रदेश

सर्वस्व

तंत्र भी तेरा मंत्र भी तेरा
रहता मन जिसमें
वो कंकाल तंत्र भी तेरा।

ऋद्धि भी तेरी सिद्ध भी तेरी
मेरे शरीर में होती
नित्य वृद्धि भी तेरी।

काल भी तेरा महाकाल भी तेरा
मेरी काया में बहता
अंतिम श्वास भी तेरा।

स्वर्ग भी तेरा नर्क भी तेरा
सुषुम्ना में बहता
मोक्ष का द्वारा भी तेरा।

माया भी तेरी महामाया भी तेरी
इस धरा पर पड़ती
मेरी छाया भी तेरी।

डॉ. राजीव डोगरा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
कोलफील्ड मिरर

ग़ज़ल

चांद पर दाग लगते सजन देखिए।
चांद पर खूब सूरत गगन देखिए।

देख के खूब सूरत गगन चांद को
खो गया प्राण धारा चमन देखिए।

पास जितने रहे दूर दिल से सजन
राज अपने छुपा ये मगन देखिए।

रूप का करिश्मा देखते है सभी
आसमां में खिली किरन देखिए।

सांस गहरी होंठ फड़कते आज है
इश्क मुझको सताये तपन देखिए।

प्यार के कुछ लुटेरे शहर रोक ले
प्यार सबसे बचाने जतन देखिए।

होंठ सूखे हुए आह भरते सनम
दर्द गहरा हुआ ज़ख्ममन देखिए।

के एल महोबिया
कोलफील्ड मिरर

भारत सहित राष्ट्रमंडल के 56 देशों का वार्षिक उत्सव व अंतरराष्ट्रीय अद्भुतता दिवस का एक साथ आगाज़ 10 मार्च 2025

राष्ट्रमंडल दिवस 2025 की थीम एक साथ हम आगे बढ़ते हैं का जबरदस्त आगाज़

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर आदि अनादि काल से भारत की कहावतें मुहावरे संतों के वचन आध्यात्मिकता से निकली बातें चाहे वह हजारों वर्ष पूर्व भी कहीं गई कहीं या लिखी गई हो लेकिन वह आज भी सच साबित हो रही है क्योंकि पूर्व में भी उसका नतीजा सकारात्मक रहा है व भविष्य में भी यही सटीकता वाला क्रम चलता रहेगा यह कहावतें एक और एकग्यारह, एकता में बल, एक है तो नेक इत्यादि अनेक कहावतों का परिणाम हम यूरोपीय यूनियन 27 देश, अफ्रीकी संघ चौपन देश, इस्लामिक संघ 54 देश, राष्ट्रमंडल 56 देश इत्यादि हजारों समर्थ प्रमाण है तो वहीं राष्ट्रमंडल देशों के वार्षिक उत्सव 10 मार्च 2025 की थीम भी इन भारत मुहावरों से मिलती-जुलती है कि एक साथ हम आगे बढ़ते हैं। चूँकि राष्ट्रमंडल दिवस पर धार्मिक नागरिक सफाई, स्कूल सभाएं, वाद विवाद, सांस्कृतिक समारोह होते हैं तो वहीं अंतर्राष्ट्रीय अद्भुतता दिवस पर गुणों का विकास संदर्भित है इसलिए आज हम मीडियम उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे भारत सहित राष्ट्रमंडल के 56 देशों का वार्षिक उत्सव व अंतराष्ट्रीय अद्भुतता दिवस का एक साथ! आगाज़ 10 मार्च 2025 साथियों बात अगर हम 10 मार्च 2025 मार्च के अंत तक चलने वाले 56 देशों के राष्ट्र मंडल दिवस की करें तो राष्ट्रमंडल दिवस राष्ट्रमंडल के 56 देशों का वार्षिक उत्सव है। राष्ट्रमंडल देश प्रशांत, अफ्रीका, एशिया, यूरोप, कैरिबियन और अमेरिका में पाए जाते हैं।राष्ट्रमंडल दिवस का विषय क्या है? हर साल राष्ट्रमंडल दिवस के लिए एक थीम चुनी जाती है। इस साल की थीम है 'एक साथ हम आगे बढ़ते हैं'।राष्ट्रमंडल देशों में शामिल हैं:यूनाइटेड किंगडम कनाडा ऑस्ट्रेलिया न्यूज़ीलैंड,पापुआ न्यू गिनी सिंगापुर मलेशिया भारत पाकिस्तान बांग्लादेश श्रीलंका साइप्रस माल्टा जमैका केन्या जाम्बिया घाना नाइजीरिया दक्षिण अफ्रीका और भी कई! राष्ट्रमंडल के सदस्य देशों ने एक ताकत के रूप में भारत को मान्यता दी है। अफ्रीकी, कैरेबियन और दक्षिण प्रशांत के लगभग सभी राष्ट्रमंडल देशों ने भारत के साथ जिस प्रकार सहयोग बढ़ाया है, उससे अब बेहतर रूप से मान्यता मिली है। राष्ट्रमंडल देशों की कुल आबादी में लगभग 50 पर्सेंट और कुल जीडीपी में लगभग 30 पर्सेंट हिस्सेदारी भारत की है। राष्ट्रमंडल 56 स्वतंत्र देशों का एक स्वैच्छिक संघ है, जिनमें से लगभग सभी पहले ब्रिटिश शासन के अधीन थे। राष्ट्रमंडल की उत्पत्ति ब्रिटेन के भूतपूर्व साम्राज्य से हुई है। राष्ट्रमंडल के कई सदस्य ऐसे क्षेत्र थे जो ऐतिहासिक रूप से विभिन्न समयों पर बसावट, विजय या अधिग्रहण के माध्यम से ब्रिटिश शासन के अधीन आ गए थे।राष्ट्रमंडल के बारे में तथ्य: (1) राष्ट्रमंडल में 2 अरब से अधिक लोग हैं! (2) पृथ्वी पर हर तीन में से एक व्यक्ति राष्ट्रमंडल का हिस्सा है। (3) प्रशांत महासागर में स्थित नाउरू जैसे बहुत छोटे द्वीप भी

राष्ट्रमंडल का हिस्सा हैं।(4) ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका राष्ट्रमंडल में ब्रिटेन के साथ शामिल होने वाले पहले देश थे।(5) स्वतंत्रता के लिए लंबे संघर्ष के बाद भारत 1947 में राष्ट्रमंडल में शामिल हुआ। (6) दक्षिण अफ्रीका 1961 में राष्ट्रमंडल से अलग हो गया और 1994 तक राष्ट्रमंडल में वापस नहीं लौटा। (7) 1990 में नामीबिया राष्ट्रमंडल में शामिल होने वाला पहला देश बना जो कभी ब्रिटेन द्वारा शासित नहीं था। (8) 2009 में राष्ट्रमंडल देशों ने राष्ट्रमंडल की 60वीं वर्षगांठ मनाई। राष्ट्रमंडल दिवस कैसे मनाया जाए? हमारे पास बहुत सारे उपयोगी संसाधन हैं जिनका उपयोग आप अपने छात्रों को राष्ट्रमंडल दिवस पढ़ाने और मनाने के लिए कर सकते हैं। हमारे पास वर्कशीट,गतिविधियाँ, पावरपॉइंट और बहुत कुछ है। (1) हम अपनी कक्षा को राष्ट्रमंडल के बारे में पढ़ाने के लिए हमारे राष्ट्रमंडल पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन से शुरुआत करना पसंद करेंगे। (2) हमारे पास एक उपयोगी राष्ट्रमंडल दिवस संसाधन पैक है , जिसमें वह सब कुछ शामिल है जो हमको अपने बच्चों को राष्ट्रमंडल के बारे में सिखाने के लिए चाहिए। इसमें रंग भरने वाली शीट, पावरपॉइंट, शब्द खोज, तथ्य पत्रक, प्रदर्शन पोस्टर और बहुत कुछ शामिल है! (3)यदि हम अपने विद्यार्थियों को राष्ट्रमंडल के अनेक देशों के बारे में सब कुछ सिखाना चाहते हैं, तो यह राष्ट्रमंडल स्थानिक ज्ञान मानचित्र गतिविधि बहुत अच्छी होगी! (4) यदि हम असेंबली पावरपॉइंट की तलाश में हैं, तो और कहीं न जाएँ! हमारे पास यहाँ एक सुंदर राष्ट्रमंडल दिवस असेंबली पावरपॉइंट है! (5) क्यों न हम भी इस राष्ट्रमंडल खेल सूचना पावरपॉइंट पर एक नजर डालें ! और, हमारे निःशुल्क संसाधन कॉमनवेल्थ फ्लैग्स बिंगो को देखें- जो आपकी कक्षा के साथ करने के लिए एक उत्कृष्ट और मजेदार गतिविधि है। (6) इन राष्ट्रमंडल खेलों के डॉट-टू-डॉट गतिविधि शीट्स पर एक नज़र जरूर डालें।

साथियों बात अगर हम 10 मार्च 2025 को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय अद्भुतता दिवस को समझने की करें तो, हर साल 10 मार्च को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय अद्भुतता दिवस एक ऐसा दिन है, जिस दिन कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कोई भी हो, अपनी अद्भुतता का जश्न मना सकता है। हाँ, हम सभी में ऐसे गुण होते हैं जो हमें किसी न किसी तरह से अद्भुत बनाते हैं। इसलिए आज, अपनी सभी असुरक्षाओं को दूर करें और खुद को वह प्रशंसा देने के लिए तैयार हो जाएँ जिसके आप हकदार हैं। निश्चित रूप से कोई भी व्यक्ति परिपूर्ण नहीं होता। दूसरी ओर, हर कोई अपने तरीके से अद्भुत होता है। हमको बस अपने किसी गुण को उजागर करना है और उस पर ध्यान केंद्रित करना है जो उसे इतना खास बनाता है। इस दिन का उपयोग दूसरों को यह बताकर खुशी साझा करने के लिए करें कि वे कितने अद्भुत हैं अंतर्राष्ट्रीय अद्भुतता दिवस का इतिहास- अद्भुतता' शब्द के कई सकारात्मक अर्थ हैं। उदाहरण के लिए,यह किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व में उल्लेखनीय गुण को संदर्भित कर सकता है। साथ ही, यह एक ऐसे गुण को दर्शाता है जो दूसरों में विस्मय पैदा करता है। नतीजतन, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि आजकल इस शब्द का अत्यधिक उपयोग किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय अद्भुतता दिवस एक मजेदार कार्यक्रम है जो सकारात्मकता फैलाने में कामयाब होता है क्योंकि यह वर्ष के ऐसे समय में आयोजित किया जाता है जब अद्भुत लोगों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। हम सोच रहे होंगे कि कोई व्यक्ति अद्भुत कैसे बन जाता है। खैर, एक अद्भुत व्यक्ति वह होता है जो प्रभावशाली, भयानक या प्रेरक होता है। यह कहानी है कि यह दिन कैसे शुरू हुआ? अंतर्राष्ट्रीय अद्भुतता दिवस पहली बार 2008 में केविन लॉवर द्वारा मनाया गया था, जो इस दिन के निर्माता हैं। लॉवर को इस उत्सव का विचार फ्रेडी मानेरो नामक एक प्रशिक्षु के साथ काम करते समय आया था। प्रशिक्षु ने सुझाव दिया था कि लॉवर की अद्भुतता का जश्न मनाया जाना चाहिए,इसलिए इस दिन की घोषणा ट्विटर पर की गई। तब से, इस प्रवृत्ति ने गति पकड़ी है और अब इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जाता है। इसके अलावा, डैन लूरी ने आकर्षक टैगलाइन के साथ आकर इस अवधारणा को और निखारा, "क्योंकि हर किसी को शानदार होने का बहाना चाहिए। बाद में, लॉवर की बेटी ने भी एक प्रेरणादायक नई टैगलाइन बनाई, कोई भी परिपूर्ण नहीं है, लेकिन हर कोई शानदार हो सकता है। यह तिथि इसलिए भी चुनी गई क्योंकि यह चक नोरिस के जन्मदिन पर पड़ती है- एक ऐसा व्यक्ति जो अपनी शानदारता के लिए प्रसिद्ध है! इसलिए, चाहे हम कोई भी हों या हम क्या करते हों, इस दिन का उपयोग सिर्फ़ मौजूद रहने और शानदार होने के लिए खुद की पीठ थपथपाने के लिए करें! अंतर्राष्ट्रीय अद्भुतता दिवस की गतिविधियाँ (1) कुछ अद्भुत करो-कुछ ऐसा करें जो आपको लगता है कि इस दिन को वास्तव में मनाने के लिए बहुत बढ़िया है। यह खाना पकाने से लेकर यात्रा करने या बंजी जंपिंग तक कुछ भी हो सकता है। इस दिन के बारे में जागरूकता फैलाएँ (2) इस दिन के बारे में जागरूकता फैलाएं और लोगों को खुश करने के लिए अपनी उत्कृष्टता का जश्न मनाने के संदेश को फैलाएं। (3) साहसी बनें- इस दिन निडर और शानदार बनें, और कुछ ऐसा करें जिससे हम हमेशा डरते रहे हैं। एड्रेनालाईन का जो उछाल आप अनुभव करेंगे, वह हमको कई दिनों तक उत्साहित रखेगा। हम अंतर्राष्ट्रीय अद्भुतता दिवस को क्यों पसंद करते हैं? (1) इससे हमको अच्छा महसूस होता है- यह दिन लोगों को उनके विभिन्न अद्भुत गुणों की याद दिलाने तथा उन्हें स्वयं पर विश्वास क्यों करना चाहिए, यह बताने के लिए समर्पित है। (2) यह हमको लक्ष्य पूरा करने में मदद करता है-यह दिन उन लक्ष्यों को पूरा करने में सहायता करने के लिए प्रेरक का काम करता है, जिन्हें उन्होंने वर्षों से लंबित रखा है। (3) यह आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है- चूंकि यह दिन सभी को यह याद दिलाता है कि वे कितने शानदार हैं, इसलिए यह सभी का आत्मविश्वास बढ़ाने में भी सहायक होता है।

अतः अगर हम अपने पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत सहित राष्ट्रमंडल के 56 देशों का वार्षिक उत्सव व अंतरराष्ट्रीय अद्भुततादिवस का एक साथ आगाज़ 10 मार्च 2025 राष्ट्रमंडल दिवस 2025 की थीम एक साथ हम आगे बढ़ते हैं का जबरदस्त आगाज़। राष्ट्रमंडल दिवस पर धार्मिक नागरिक सभाएं स्कूल सभाएं वाद विवाद सांस्कृतिक समारोह तो वहीं अंतर्राष्ट्रीय अद्भुतता दिवसपर गुणों का विकास संदर्भित है।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

जीत गए नहीं तों नानी-दादी याद आ जाती क़सम खा कर कह रहा हूं

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च 2025: खुब खुब ख़ुशी ख़ुशी सबने फटाके छोड़े या फोड़े गए और एक दूसरे को बधाई देकर किसी ने खाई मिठाई और किसने खिलाईं मिठाई जश्न के इस दौर में एक दर्शक भारतीय टीम की विजय श्री को "बूंद-बूंद से घड़ा भर गया" बता कर मिस्टर इंडिया की तरह जाने कहां चला गया मैं अपना सर खुजाता गया पता नहीं क्यों? किसका घड़ा भर गया? खेलने वालों का, खिलाने वालों का या फिर खेल पर जान, दांव लगाने वालों का, एक बात कहूं वास्तव में इन सभी ने आपस में तालमेल बनाए रखकर धैर्य से काम लिया, यह टीम के (टटोरीयें) सामूहिक प्रयास की जीत रही समझ गए ना समझदार को इशारा काफी है। हां यह भी कहा जा सकता है कि, वास्तव में मैच फंस गया था, लेकिन दर्शकों के धैर्य और साहस की भागीदारी करके जिन्होंने टीवी नहीं फोड़ीं और अंतिम समय में भारत ने बल्लेबाजी से मैच को भारत के पक्ष में कर दिया जिसके कारण फाइनल हम जीत गए नहीं तों नानी-दादी याद आ जाती भगवान की क़सम खा कर कह रहा हूं।

तुम सब झूठ बोल रहे हो बाबू झाड़ू हाथ में लिए हुए गले में मफलर डालें दिलजला एक दर्शक बीच में उछल कर आ गया आज के मैच की जीत का असल राज क्या है मैं अच्छी तरह जानता हूं। मेरी हार्दिक हार्दिक शुभकामनाओं सहित पता नहीं आप सब मेरी सहमत होंगे या नहीं, लेकिन जीत का वास्तविक कारण पिंच है जों रन बनाने में सहयोग कर रही थी और दुश्मन टीम के छक्के छुड़ाने में मददगार साबित हुई साथ ही बहुत धैर्यपूर्वक खिलाड़ियों ने समय के साथ तालमेल बनाए रखा और किसी के दबाव को शनै: शनै: कम किया। कप्तान की यह रणनीति किसी राजनीति की तरह काम करती हुई नजर आई। राहुल (पप्पू) भैय्या की हार्दिक इच्छा वाला हमें श्रेय मिल गया भाईजान इसीलिए सब खेल पाए क्योंकि पंजे से जुड़ी कलाईयों के साथ कोहनी ने कुछ शारीरिक अंगों के साथ मिलकर असीम कदमों से जित का पथ धैर्य के साथ नाप कर अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए सैकड़ों में रन बनाए। यह हमारी टीम का (टटोरीयों) दुनिया के सबसे बड़े मैच में से एक है जहां हर खिलाड़ी अपनी क्षमताएं जानता है, पहचानते हैं इसके बावजूद उन्होंने चौंके, छक्का के साथ में एक एक रन को महत्वपूर्ण की तरह मैदान में खिलाड़ियों को चुराने से कोई नहीं रोक पाएं और पूरी पारी को केवल ईमानदारी से सम्पन्न की गई। कुछ मिले -जुले अपने वालों ने माया से भरी ममता सी बात की गुगली चोरी-चोरी, चुपके-चुपके फेंककर कहा कि, यह फाइनल मैच ई वी एम मशीन की तरह था जिसने हारें हुए नेता का मनोबल तोड़ने वाले रणनीति की तरह था सिंगल्स, डबल्स के बाद चौंके छक्के से ही मैच धीरे-धीरे विजय श्री की ओर हमें ले जा रहा था हमने उनकी मुट्ठी में से जित हासिल कर ली टप्पू ने धीरे से हां में हां मिलाते हुए पप्पू की तरह आंख मारते हुए कहा बिल्कुल सही कहा आपने मैं आपकी बात से पूर्णतः सहमत हूं वैसे पूरे मैच को मैंने भी ठीक महसूस किया वह इसलिए कि, उस विराट स्वरूप में विवेक और धैर्य का कोई जवाब नहीं था। टटोरियों से मरा हुएं एक दर्शक ने दार्शनिक अंदाज में बताया विपक्षी टीम ने ई वी एम मशीन को हैंग करने की स्टाइल में जीत को हैंग कर ली और उनको हार का मुंह देखना पड़ा। पता नहीं वह ग़म के नशें में या दांव पर लगी रकम हारने के कारण बोल रहा था।

इतना सारा लिखने का कारण यही था मैच जिसको जितना मैच वह जित गया। इस मौके पर जिसको जितना कमाना था वह कमा गया। जिसको लिखना था वह लिख कर इस जीत का सारा टेंशन सम्पादक को भेजकर सुकुन की नींद सो गया अंततः दर्शक हाथ मलते हुए रह गए। जीते हुए सभी खिलाड़ी शिविर में जाकर जीत के ज़श्न को मनाते हुए का कुछ मीठा हो जाए के साथ साथ नाचते हुए कदमों से बातों हों रहीं थी।

प्रकाश हेमावत
टाटा नगर रतलाम

हारे का सहारा हैं खाटू के श्री श्याम

कोलफील्ड मिरर 11 मार्च 2025: राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम मंदिर बाबा श्याम जी के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर भारत के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में गिना जाता है। खाटू श्याम जी को भगवान श्रीकृष्ण का कलयुगी अवतार माना जाता है। दानशीलता के कारण बर्बरीक ने बिना किसी सवाल के अपना शीश भगवान श्री कृष्ण को दान दे दिया। इसी दानशीलता के कारण श्री कृष्ण ने कहा कि तुम कलयुग में मेरे नाम से पूजे जाओगे। तुम कलयुग का अवतार कहलाओगे और हारे का सहारा बनोगे। इसलिए उन्हें हारे का सहारा भी कहा जाता है। खाटू श्याम जी के मंदिर में दर्शन के लिए हर दिन लाखों भक्त आते हैं। यहां फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को श्याम बाबा का विशाल वार्षिक मेला भरता है। जिसमें देश-विदेशों से आये करीबन 30 लाख श्रृद्धालु शामिल होते हैं। खाटू श्याम का मेला राजस्थान के बड़े मेलों में से एक है।

इस मंदिर में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की श्याम यानी कृष्ण के रूप में पूजा की जाती है। इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि जो भी इस मंदिर में जाता है उन्हें श्याम बाबा का नित नया रूप देखने को मिलता है। कई लोगों को तो इस विग्रह में कई बदलाव भी नजर आते है। कभी मोटा तो कभी दुबला। कभी हंसता हुआ तो कभी ऐसा तेज भरा कि नजरें भी नहीं टिक पातीं। श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन वाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गईं। कहते हैं कि मन्दिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वयं भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी।

श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेध्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो उन्हें तीनो लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे। कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हआ तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा जागृत हुयी। जब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया। महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिये वे अपने नीले रंग के घोडे पर सवार होकर धनुष व तीन बाणों के साथ कुरूक्षेत्र की रणभूमि की और अग्रसर हुये।

भगवान कृष्ण ने ब्राह्मण वेश धारण कर बर्बरीक से परिचित होने के लिये उसे रोका और यह जानकर उनकी हंसी भी उड़ायी कि वह मात्र तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आया है। ऐसा सुनने पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि मात्र एक बाण शत्रु सेना को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त है और ऐसा करने के बाद बाण वापिस तरकस में ही आयेगा। यदि उन्होने तीनो बाणों को प्रयोग में ले लिया गया तो तीनो लोकों में हाहाकार मच जायेगा। इस पर कृष्ण ने उन्हें चुनौती दी की इस पीपल के पेड के सभी पत्रों को छेद कर दिखलाओ। जिसके नीचे दोनो खड़े थे। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने तुणीर से एक बाण निकाला और ईश्वर को स्मरण कर बाण पेड़ के पत्तो की और चलाया।

तीर ने क्षण भर में पेड के सभी पत्तों को भेद दिया और कृष्ण के पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। क्योंकि एक पत्ता उन्होनें अपने पैर के नीचे छुपा लिया था। तब बर्बरीक ने कृष्ण से कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिये वर्ना ये आपके पैर को चोट पहुंचा देगा। कृष्ण ने बालक बर्बरीक से पूछा कि वह युद्ध में किस और से सम्मिलित होगा तो बर्बरीक ने अपनी मां को दिये वचन दोहराते हुये कहा कि वह युद्ध में निर्बल और हार की और अग्रसर पक्ष की तरफ से भाग लेगा। कृष्ण जानते थे कि युद्ध में हार तो कौरवों की ही निश्चित है। अगर बर्बरीक ने उनका साथ दिया तो परिणाम उनके पक्ष में ही होगा।

ब्राह्मण बने कृष्ण ने बालक बर्बरीक से दान की अभिलाषा व्यक्त की। इस पर वीर बर्बरीक ने उन्हें वचन दिया कि अगर वो उनकी अभिलाषा पूर्ण करने में समर्थ होगा तो अवश्य करेगा। कृष्ण ने उनसे शीश का दान मांगा। बालक बर्बरीक क्षण भर के लिये चकरा गया परन्तु उसने अपने वचन की दृढ़ता जतायी। बालक बर्बरीक ने ब्राह्मण से अपने वास्तिवक रूप में आने की प्रार्थना की और कृष्ण के बारे में सुन कर बालक ने उनके विराट रूप के दर्शन की अभिलाषा व्यक्त की। तब कृष्ण ने उन्हें अपना विराट रूप दिखाया।

उन्होने बर्बरीक को समझाया कि युद्ध आरम्भ होने से पहले युद्धभूमि की पूजा के लिये एक वीर क्षत्रिय के शीश के दान की आवश्यक्ता होती है। उन्होनें बर्बरीक को युद्ध में सबसे बड़े वीर की उपाधि से अलंकृत कर उनका शीश दान में मांगा। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है। श्री कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। फाल्गुन माह की द्वादशी को उन्होनें अपने शीश का दान दिया। उनका सिर युद्धभूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर सुशोभित किया गया जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे।

युद्ध की समाप्ति पर पांडवों में ही आपसी खींचाव हुआ कि युद्ध में विजय का श्रेय किसको जाता है। इस पर कृष्ण ने उन्हें सुझाव दिया कि बर्बरीक का शीश सम्पूर्ण युद्ध का साक्षी है। उससे बेहतर निर्णायक भला कौन हो सकता है। सभी इस बात से सहमत हो गये। बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि कृष्ण ही युद्ध मे विजय प्राप्त कराने में सबसे महान पात्र हैं। उनकी शिक्षा, उनकी उपस्थिति, उनकी युद्धनीति ही निर्णायक थी। उन्हें युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखायी दे रहा था जो कि शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली दुर्गा कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना के रक्त से भरे प्यालों का सेवन कर रही थी।

कृष्ण वीर बर्बरीक के महान बलिदान से काफी प्रसन्न हुये और वरदान दिया कि कलियुग में तुम श्याम नाम से जाने जाओगे, क्योंकि कलियुग में हारे हुये का साथ देने वाला ही श्याम नाम धारण करने में समर्थ होगा। ऐसा माना जाता है कि एक बार एक गाय उस स्थान पर आकर अपने स्तनों से दुग्ध की धारा स्वतरू ही बहा रही थी बाद में खुदायी के बाद वह शीश प्रकट हुआ।

एक बार खाटू के राजा को स्वप्न में मन्दिर निर्माण के लिये और वह शीश मन्दिर में सुशोभित करने के लिये प्रेरित किया गया। तदन्तर उस स्थान पर मन्दिर का निर्माण किया गया और कार्तिक माह की एकादशी को शीश मन्दिर में सुशोभित किया गया, जिसे बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। मूल मंदिर 1027 ई. में रूपसिंह चैचौहान और उनकी पत्नी नर्मदा कंवर द्वारा बनाया गया था। मारवाड़ के शासक ठाकुर के दीवान अभय सिंह ने ठाकुर के निर्देश पर 1720 ई0 में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। मंदिर इस समय अपने वर्तमान आकार ले लिया और मूर्ति गर्भगृह में प्रतिष्ठापित किया गया था। मूर्ति दुर्लभ पत्थर से बनी है।

प्रशासन यहां की व्यवस्था को लेकर पूरा सजग है। जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंध कमेटी ने मिलकर खाटू श्याम मंदिर परिक्षेत्र में कई नई सुविधाओं को प्रारंभ किया है। यहां के आम रास्तों को 40 फीट तक चौड़ा किया गया है। मंदिर में दर्शन करने की व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। इससे मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा हो रही है। सरकार ने यहां के मंदिर परिसर क्षेत्र के विकास की घोषणा की है। जिसका लाभ भी श्रद्धालुओं को ही मिलेगा।

रमेश सर्राफ धमोरा